শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 225 | गुवाहाटी | मंगलवार, 18 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राजनाथ सिंह ने तुलसी गबार्ड के साथ की मुलाकात, द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई चर्चा पेज 2

कृषि मंत्री अतुल बोरा ने गुवाहाटी में एफपीओ मेले का उद्घाटन किया पेज 3

केंद्र के बजट में राजस्थान का जिक्र भी नहीं : सचिन पायलट पेज 5

भारत ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर जीता इंटरनेशनल मास्टर्स लीग... पेज 7

टैरिफ धमकी पर तुलसी गबार्ड का बड़ा बयान, कहा–

पीएम मोदी और ट्रंप अच्छे दोस्त सीधे टॉप लेवल पर चल रही बात

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत को टैरिफ धमकी किए जाने के बाद के हालात पर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि इस मामले में शीर्ष स्तर पर सीधी बातचीत हो रही है। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि वे इसे नकारात्मक दृष्टिकोण से देखने की जगह अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण से देख रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी दोनों ही *अच्छे समाधान* की तलाश में हैं। तुलसी गबार्ड, जो एक बहु-देशीय यात्रा के तहत इस समय भारत में हैं, एक इंटरव्यू में कहा कि टैरिफ के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच शीर्ष स्तर पर सीधी बातचीत होती है। अभी बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने का यह अवसर है। टैरिफ विवाद के बीच अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक गबार्ड ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में मैंने जिन भारतीय सरकारी अधिकारियों से बात की है, उनसे मैंने जो कुछ भी सुना है, उससे यही पता चलता है कि यहां एक अवसर है। हमारे बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की अधिक संभावना नजर आती है। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि वे इसे नकारात्मक दृष्टिकोण से देखने के इतर अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निश्चित

तौर पर भारत की अर्थव्यवस्था और अपने लोगों के लिए उपलब्ध अवसरों के सर्वोच्च हित में काम कर रहे हैं। इसी तरह, राष्ट्रपति ट्रंप भी संयुक्त राज्य अमेरिका, हमारे आर्थिक हितों और अमेरिकी लोगों के हितों के लिए यही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी दोनों ही अच्छे समाधान की तलाश में हैं। टैरिफ विवाद के समाधान की उम्मीद करते हुए तुलसी गबार्ड ने कहा कि मैं जो सबसे सकारात्मक बात देखती हूं, वह यह है कि हमारे पास 2 नेता हैं, जिनमें सामान्य ज्ञान है और जो बेहतर समाधान की तलाश में हैं। यह सीधा संवाद हमारे दोनों देशों में शीर्ष स्तर पर हो रहा है, लेकिन अलग-अलग सचिवों और कैबिनेट सदस्यों -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी से मिलीं तुलसी, आतंकवाद और साइबर सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी भारत यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इस बैठक में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करने और रणनीतिक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया। नई दिल्ली में अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की और उन्हें महाकुंभ के दौरान एकत्र किया गया गंगा जल भेंट किया। 26 फरवरी को संपन्न हुए -शेष पृष्ठ दो पर

पीएमएवाई-जी : सीएम ने पहली किस्त के लिए स्वीकृति पत्रों की समीक्षा की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को गुवाहाटी के जनता भवन में जिला और सह-जिला आयुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। बैठक का उद्देश्य राज्य भर में 3,88,358 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पहली किस्त के लिए स्वीकृति पत्रों के वितरण की समीक्षा करना था, यह कार्यक्रम 19 मार्च, 2025 को निर्धारित है। बैठक में शर्मा ने कहा कि पलाशबाड़ी में आयोजित होने वाले केंद्रीय कार्यक्रम के बाद 126 विधानसभा क्षेत्रों को शामिल करते हुए विभिन्न जिला और सह-जिला स्तरों पर वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने वाले मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और अन्य प्रमुख व्यक्तियों सहित गणमान्य व्यक्तियों की सूची पहले ही जिला और सह-जिला आयुक्तों को भेज दी गई है। उन्होंने अधिकारियों से तैयारियों की प्रगति का आकलन करने -शेष पृष्ठ दो पर

अमृतपाल के सात सहयोगियों का तबादला, पंजाब पुलिस की टीम पहुंची असम

डिब्रूगढ़। पंजाब पुलिस की 25 सदस्यीय टीम पिछले दो दिनों से असम के डिब्रूगढ़ में तैनात है ताकि कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह के सात सहयोगियों को स्थानांतरित किया जा सके जो *वारिस पंजाब दे* नेता के साथ करीब दो साल से यहां कैद हैं। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि स्थानांतरण की तारीख का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन यह अगले दो से तीन दिनों में हो सकती है। इस संगठन के -शेष पृष्ठ दो पर

एपीडीसीएल ने 2026-27 तक 750 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा

गुवाहाटी। असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) ने हाल ही में हुई एक बैठक में एईआरसी (असम विद्युत विनियामक आयोग) की एसएसी (राज्य सलाहकार समिति) को बताया है कि उसने 2026-27 तक 750 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) राज्य की अक्षय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के लिए सौर परियोजनाओं को वित्तपोषित करेगा। एपीडीसीएल ने एसएसी को बताया कि उसने कोल इंडिया लिमिटेड से शक्ति नीति, 2017 के तहत 500 मेगावाट के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

निर्धनता प्रकट करना निर्धन होने से अधिक दुखदायी होता है।

-प्रेमचंद

पूर्वोत्तर के विकास और समृद्धि से संभव होगा मिशन 2047: अभाविप

गुवाहाटी (हि.स.)। 9, 10 और 11 मार्च को नई दिल्ली में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा राष्ट्रीय छात्र संसद का आयोजन किया गया था। 9 मार्च को जनजातीय छात्र संसद, 10 मार्च को छात्रा संसद और 11 मार्च को उत्तर-पूर्व छात्र और युवा संसद आयोजित की गई। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के अंतिम दिन आयोजित उत्तर-पूर्व छात्र और युवा संसद में उत्तर-पूर्व के कई छात्र और युवा संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उत्तर-पूर्व के विकास पर विस्तृत रूप से चर्चा की। सोमवार को गुवाहाटी के दिसपुर प्रेस क्लब में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित की गई। अभाविप के राष्ट्रीय सचिव कमलेश सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में उन्नत करने के लिए उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास को सर्वोपरि बताया। आज के इस सम्मेलन में अभाविप मेघालय के सचिव टेंकू मराक, अरुणाचल प्रदेश के सचिव बिंकी यादेर, नगालैंड से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य काइना आओमी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कमलेश सिंह ने -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा सांसद सैकिया ने श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव के नाम पर दो ट्रेन रखने की मांग की

नई दिल्ली। भाजपा सांसद दिलीप सैकिया ने सोमवार को रेल मंत्रालय से असम से दिल्ली और चेन्नई तक चलने वाली दो लंबी दूरी की ट्रेनों का नाम क्रमशः श्रद्धेय वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव और श्रीमंत माधवदेव के नाम पर रखने का आग्रह किया। 2025-26 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रण में अनुदानों की मांगों पर बहस में भाग लेते हुए, असम के दरांग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र के सांसद ने सरकार से रंगिया और उदालगुड़ी के माध्यम से डिब्रूगढ़ और गुवाहाटी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने के अलावा, असम में रहने वाले ओडिशा मूल के 45 लाख लोगों के लाभ के लिए गुवाहाटी से ओडिशा के लिए एक सीधी ट्रेन शुरू करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि असम से दिल्ली और चेन्नई तक चलने वाली दो लंबी दूरी की ट्रेनों का नाम क्रमशः श्रीमंत शंकरदेव और श्रीमंत माधवदेव के नाम पर रखा जाना चाहिए। श्रीमंत शंकरदेव 15वीं-16वीं सदी के असमिया संत, विद्वान, कवि, नाटककार, समाज सुधारक और असम के नव-वैष्णव आंदोलन के संस्थापक थे। श्रीमंत शंकरदेव के मुख्य शिष्य श्रीमंत माधवदेव एक प्रमुख वैष्णव संत थे और अपनी कलात्मक प्रतिभा के लिए जाने जाते थे। अपने दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन -शेष पृष्ठ दो पर

खेल संघों में खेल जैसा कुछ नहीं है, ये बीमार संस्थाएं हैं : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को महाराष्ट्र कुश्ती संघ की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि भारत में खेल संघ बीमार संस्थाएं हैं। खेल संघों में खेल जैसा कुछ नहीं है। पता नहीं ये किस चीज से जूझ रहे हैं। बता दें कि महाराष्ट्र कुश्ती संघ ने भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा मान्यता रद्द करने के खिलाफ उसकी याचिका खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। बता दें कि हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र कुश्ती संघ की याचिका को गैर-स्थायी पाया था। साथ ही इसे उचित न्यायालय के समक्ष दायर करने की स्वतंत्रता के साथ खारिज कर दिया था। महाराष्ट्र कुश्ती संघ की इसी याचिका पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

चाईबासा में जिंदा जले चार बच्चे

पश्चिमी सिंहभूम (हि.स.)। पश्चिमी सिंहभूम जिले (चाईबासा) के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के गीतिलिपि गांव में सोमवार सुबह हादसा हो गया। पुआल में लगी आग की चपेट में आकर वहां खेल रहे चार बच्चों की जलकर मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों के शवों को निकालने का प्रयास -शेष पृष्ठ दो पर

औरंगजेब की कब्र को लेकर नागपुर में बड़ा बवाल, दो गुटों में पत्थरबाजी, कई गाड़ियां तोड़ी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में सोमवार को दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। नागपुर के महाल इलाके में शाम के समय औरंगजेब की कब्र को लेकर ये दोनों गुट आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों गुटों में पत्थरबाजी और आगजनी होने लगी। पत्थरबाजी की सूचना पर आनन-फानन में भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने हालात को संभालने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इस दौरान दोनों गुटों की पत्थरबाजी और आगजानी में कई गाड़िया क्षतिग्रस्त हो गईं। फिलहाल हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। बता दें कि सोमवार शाम सात बजे से 7:30 बजे के बीच शिवाजी चौक के पास बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए और नारेबाजी करने लगे। ये लोग दोपहर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन से नाराज थे। जैसे ही नारेबाजी शुरू हुई, वहां मौजूद एक अन्य समूह ने भी नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके बाद पुलिस को मौके पर बुलाया -शेष पृष्ठ दो पर

संसद में किए गए सभी लंबित आश्वासन तीन महीने में किए जाएंगे पूरे : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में मंत्रियों द्वारा दिए गए आश्वासन को पूरा नहीं किए जाने का मुद्दा सोमवार को सदन में उठा। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान आम आदमी पार्टी के सदस्य संजय सिंह ने सरकार पर संसद में दिए आश्वासन को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 76 प्रतिशत किए गए आश्वासन पूरे नहीं किए। तारांकित प्रश्न का जवाब देते हुए संसदीय कार्य राज्यमंत्री एल मुरुगन ने बताया कि संसद के दोनों सदनों में 1311 आश्वासन पूरे नहीं किए गए हैं। इसमें राज्यसभा में 547 और लोकसभा में 764 आश्वासन लंबित हैं। सभी लंबित आश्वासन को तीन महीने के अंदर पूरे किए जाएंगे। प्रश्नकाल में संजय सिंह ने मुद्दा उठाते हुए कहा कि साल 2024 में कुल 160 आश्वासन दिए गए थे जिसमें से 76 प्रतिशत आश्वासन पूरे नहीं किए गए। -शेष पृष्ठ दो पर

ओबीसी समुदाय के लिए तेलंगाना सरकार का एलान

शिक्षा, नौकरी और राजनीति में मिलेगा 42 फीसदी आरक्षण

हैदराबाद। ओबीसी समुदाय के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ा एलान किया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य में शिक्षा, नौकरी और रोजगार तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ओबीसी आबादी को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि तेलंगाना विधानसभा के नेता और मुख्यमंत्री के रूप में पूरी गंभीरता से घोषणा करता हूं कि हमारे लोगों के सबसे वैज्ञानिक, कठोर और अथक प्रयासों के आधार पर हम कह सकते हैं कि तेलंगाना में ओबीसी आबादी 56.36 प्रतिशत है। अब हम शिक्षा, नौकरी, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में इस समूह के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण तय करने का संकल्प ले रहे हैं। इतिहास के सही पक्ष पर रहें और हम में से हर एक इस ऐतिहासिक कदम का चैंपियन बने। उन्होंने लिखा कि तेलंगाना को भारत में सामाजिक क्रांति का नेतृत्व करने पर गर्व है। मुझे गर्व हो रहा है कि भारतीय स्वतंत्रता के बाद से पिछड़े समूहों की सबसे लंबे समय से लंबित मांग, पिछड़ी जातियों से संबंधित हमारे भाइयों और बहनों की आधिकारिक जनगणना में गिनती और मान्यता की इच्छा आखिरकार पूरी हो गई है। इससे पहले सीएम रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में कहा

कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वादा किया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जाएगा। सत्ता संभालने के तुरंत बाद लोगों की सरकार ने चार फरवरी 2024 को ओबीसी जाति जनगणना शुरू की। पिछली सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 37 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए राज्यपाल को प्रस्ताव भेजा था। हमारी सरकार पहले के प्रस्ताव को वापस ले रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक अवसरों में ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का नया प्रस्ताव भेज रही है। सदन -शेष पृष्ठ दो पर

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ जंतर-मंतर पर धरना

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने सोमवार को जंतर-मंतर पर कहा कि केंद्र की मौजूदा सरकार संसद में गैर कानूनी वक्फ संशोधन विधेयक को संख्या बल के सहारे पास कराने के लिए अड़ी हुई है। हमारी यह लड़ाई बहुसंख्यक हिंदुओं से नहीं, बल्कि सरकार से है जो हठधर्मी करके इस विधेयक को जबर्दस्ती थोपना चाहतीं है। संसद में पेश वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के विरोध में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह वक्फ की लड़ाई नहीं, बल्कि संविधान को बचाने की लड़ाई है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के इस धरने में सभी विपक्षी दलों के नेताओं, सांसदों ने भाग लेकर अपने समर्थन का भरोसा दिलाया है। धरने को एआईएमआईएम नेता व सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सांसद पप्पू यादव, मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी, इमरान मसूद, जावेद खान, अवधेश यादव, नासिर हुसैन, डॉ फौजिया, केटी बशीर, सपा सांसद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राजनाथ सिंह ने तुलसी गबार्ड के साथ की मुलाकात, द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड इस समय भारत के दौरे पर हैं। नई दिल्ली पहुंची तुलसी गबार्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस्लामी आतंकवाद के खतरे को हराने की प्रतिबद्धता को दोहराया। तुलसी गबार्ड ने कहा कि यह अमेरिकी लोगों के लिए सीधा खतरा बना हुआ है। इसके साथ अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने यह भी कहा कि इस खतरे को गंभीरता से लेते हैं। गबार्ड ने कहा कि दोनों नेता इस खतरे की पहचान करने और उसे हराने के लिए मिलकर काम करेंगे। वहीं, अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच सहयोग की कोई सीमा नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि इस्लामी आतंकवाद अमेरिकी लोगों के लिए सीधा खतरा बना हुआ है। वहीं, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस खतरे को गंभीरता से लेते हैं और कहा कि दोनों नेता इस खतरे की पहचान करने और उसे हराने के लिए

मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद भारत, बांग्लादेश, सीरिया, इजरायल और मध्य पूर्व के विभिन्न हिस्सों में लोगों को प्रभावित कर रहा है। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या ट्रंप प्रशासन पाकिस्तान से भारत पर बार-बार होने वाले आतंकवादी हमलों को कैसे देखता है। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि इस्लामी आतंकवाद के इस खतरे को हराने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बहुत स्पष्ट रहे हैं, जिसने दुर्भाग्य से हमें परेशान किया है और अमेरिकी लोगों के लिए एक सीधा खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि आतंकवाद भारत, बांग्लादेश, सीरिया, इजरायल और मध्य पूर्व के विभिन्न देशों में लोगों को कैसे प्रभावित कर रहा है। इसलिए यह एक ऐसा खतरा है जिसे मैं जानती हूं कि प्रधानमंत्री मोदी भी गंभीरता से लेते हैं और हमारे दोनों देशों के नेता इस खतरे को पहचानने और उसे हराने के लिए मिलकर काम करेंगे। अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने नई दिल्ली में कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने हाल के दिनों में हुई पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति की बैठक का हवाला दिया। गबार्ड ने व्हाइट हाउस में फरवरी 2025 की बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अपने संयुक्त बयानों में बताए गए दृष्टिकोण और लक्ष्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने अपने नागरिकों को अधिक समृद्ध, राष्ट्रों को अधिक मजबूत, अर्थव्यवस्थाओं को अधिक नवीन और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला बनाने के लिए व्यापार और निवेश का विस्तार करने का संकल्प लिया। गबार्ड ने कहा कि नि:संदेह, निजी क्षेत्र और वाणिज्य से संबंधित हमारी संबंधित एजेंसियों के साथ कई अलग-अलग तत्व हैं, ताकि यह देखा जा सके कि अवसर कहां हैं, पहुंच में कहां बाधाएं हैं और यह देखा जा सके कि हम एक बार फिर साथ मिलकर आगे बढ़ते हुए अपने पारस्परिक आर्थिक हितों को कैसे मजबूत कर सकते हैं।

राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शिता से जुड़ी कार्य संस्कृति का हो विकास : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि प्रशासनिक और लेखा सेवा में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए अधिकारी पूर्ण पारदर्शिता की कार्य की संस्कृति का विकास करें। उन्होंने समय के साथ जीवन प्रबंधन को जोड़ते हुए नैतिक मूल्यों के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजकीय सेवा में आने के बाद अधिकारियों को यह चाहिए कि वे जन कल्याण से जुड़े कार्यों और विकास योजनाओं का प्रभावी रूप में क्रियान्वयन करें। बागडे सोमवार को राजभवन में राजस्थान प्रशासनिक और लेखा सेवा के वर्ष 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राजभवन में अतिरिक्त मुख्य सचिव और हरिश्चन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक श्रेया गुहा की पहल पर इन अधिकारियों की राज्यपाल से मुलाकात हुई। इस दौरान राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों के कार्य और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि राज्य और देश के विकास में वे भविष्य में सार्थक भूमिका निभाएं। उन्होंने लोकसभा के पहले अध्यक्ष रहे गणेश वासुदेव मावलंकर का उदाहरण देते हुए कहा कि संसदीय परम्पराओं और मर्यादाओं के साथ लोक प्रशासन की देश में उन्होंने नींव रखी। उन्होंने आचार्य चाणक्य और अन्य महापुरुषों का संदर्भ देते हुए कहा कि राजकीय सेवा में ईमानदारी और राजकीय हित को प्रमुखता देते हुए कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जीवन में भोजन के साथ हर स्तर पर व्यवस्थित नियोजन और प्रबंधन यदि आप करते हैं, तभी पदस्थापित पद पर अपने आपको प्रभावी रूप में साबित कर पाएंगे। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज ने अधिकारियों से पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच जरूरी है। अधिकारी राजकीय हित में अपनी पूर्ण क्षमता के साथ काम करें। आरंभ में हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान की अतिरिक्त महानिदेशक शैली कृष्णा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा और लेखा सेवा के प्रशिक्षु 107 अधिकारियों के प्रशिक्षण और ओटीएस की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

एटीएम बैटरी चोरी मामले में चार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की फाटशिल आमबाड़ी थाना की टीम ने लालगणेश स्थित एक एटीएम बूथ से बैटरियां चोरी करने के आरोप में बिट्टू बोवाल नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि उसने चोरी की गई बैटरियां उलुबारी और बीरूबाड़ी स्थित कुछ कबाड़ गोदामों में बेच दी थीं। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने सोमवार को छापेमारी कर तीन अन्य व्यक्तियों-रफीकुल अली, अल्ताब हुसैन और इमरान हुसैन को गिरफ्तार किया। बरामद सामानों में कुल 13 बैटरियां, जिनमें 6 एटीएम बैटरियां शामिल हैं, कुल 11 नए सीलिंग फैन, कुल 18 कॉपर वायर बंडल, कुल पांच पानी बोरिंग मोटर तथा एक रेडमी लैपटॉप शामिल हैं। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

हिन्दू जागरण मंच भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को निकालेगा धर्मयात्रा

बीकानेर (हिंस)। हिंदू जागरण मंच भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (30 मार्च) को धर्मयात्रा निकालेगा। धर्मयात्रा महाआरती के लिए कार्यालय का उदघाटन मंगलवार, 18 मार्च को होगा। मंच की ओर से प्रांत सह संयोजक शैलेष गुप्ता ने बताया कि भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारम्भ हो रहा है और इस दिन हिंदू जागरण मंच की ओर से धर्मयात्रा एंव महाआरती का आयोजन किया जाता है। इस धर्मयात्रा और महाआरती का आयोजन के लिए हिंदू जागरण मंच शहर को ध्वजा, पताकाओं तथा अन्य विभिन्न प्रकार की सामग्रीयों से सजाता है तथा उनका वितरण करता है। इसी के लिए मंगलवार को सांय 6.30 बजे हिंदू जागरण मंच कार्यालय का उदघाटन सुंदरकांड के पाठ के साथ करेगा। इसके लिए कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद हिंदू जागरण मंच के रूपेश आहुजा, राजेन्द्र किराडू, सुनील कश्यप, मुकेश भादाणी, कैलाश भार्गव, महेन्द्र व्यास, प्रदीप सिंह रूपावत शिव पंवार, दीपक मोदी आदि कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम के संबंध में विभिन्न प्रकार की जिम्मेदारीयां सुपुर्द की गई। मंच के कैलाश भार्गव ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए शहर भर में आमजन को व्यक्तिगत रूप से एंव सोशल मिडिया द्वारा निमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही मंच के सैकडों कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर एक साथ सुंदरकांड का पाठ करेगें।

भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति अच्छी, यात्रियों को दे रहे पहले से अधिक सब्सिडी : रेल मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में भारतीय रेल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल यात्रियों को किफायती किराए पर सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्थान हासिल कर रही है। जहां हमारे देश में रेलवे का किराया पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के रेल किराए से भी कम है, वहीं पश्चिमी देशों में रेल किराया तो भारत की अपेक्षा 10-20 गुना अधिक है। रेल यात्रियों को दी जा रही सब्सिडी पर रेल मंत्री ने कहा कि अभी ट्रेन से प्रति किलोमीटर यात्रा की लागत 1.38 है, लेकिन यात्रियों से केवल 73 पैसे लिए जाते हैं, यानी 47 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। वित्त वर्ष 2022-23 में यात्रियों को 57,000 करोड़ की सब्सिडी दी गई, जो 2023-24 (प्रोविजनल फिगर) में बढ़कर करीब 60,000 करोड़ हो गई। हमारा लक्ष्य न्यूनतम किराए पर सुरक्षित और बेहतर सेवाएं देना है। रेल विद्युतीकरण के फायदों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि यात्रियों और कार्गो की बढ़ती संख्या के बावजूद ऊर्जा खर्च स्थिर है। भारतीय रेल 2025 में *स्कोप 1 नेट जीरो* और 2030 तक स्कोप 2 नेट जीरो हासिल करेगी। रेल मंत्री ने बताया कि बिहार के मढौरा कारखाने में बने लोकोमोटिव का निर्यात जल्द शुरू होगा। भारतीय रेल के पैसेंजर कोच मोजाम्बिक, बांग्लादेश और श्रीलंका को निर्यात किए जा रहे हैं, साथ ही लोकोमोटिव भी मोजाम्बिक, सेनेगल, श्रीलंका, म्यांमार और बांग्लादेश को निर्यात हो रहे हैं। बोगी के अंडर-फ्रेम यूनाइटेड किंगडम, सऊदी अरब, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया को और प्रपल्शन पार्ट्स फ्रांस, मैक्सिको, जर्मनी, स्पेन, रोमानिया और इटली को निर्यात किए जा रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

पीएम मोदी और ...

के बीच भी यह तय करने में अहम होगा कि आगे का रास्ता वास्तव में कैसा दिखता है। मैं व्यक्तिगत रूप से बेहद उत्साहित हूं क्योंकि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में निजी क्षेत्र में गहरी दिलचस्पी है। तुलसी गबार्ड ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बहुत अच्छी दोस्ती है और यही वह आधार है जिस पर दोनों देश अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी की अगुवाई में हमारे नए प्रशासन के साथ संबंधों की दिशा और दशा पीएम मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा के दौरान तय हुई। जैसा कि आप जानते हैं, वे पहले से ही अच्छे दोस्त हैं। यह उनके लिए भारत-अमेरिका साझेदारी के लिए अपने संयुक्त दृष्टिकोण को साझा करने और हमारे लिए उस साझेदारी को मजबूत करने का एक बहुत बड़ा अवसर था। तुलसी गबार्ड ने महाभारत की शिक्षाओं, खासतौर से कृष्ण द्वारा अर्जुन को दी गई शिक्षाओं से प्रेरित होने सहित कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने आगे कहा कि यहां अलग-अलग भारतीय सरकारी अधिकारियों और खुफिया अधिकारियों के साथ मेरी जो बैठकें हुई हैं, वे वास्तव में इस आधार पर बनी हैं कि हम कैसे एकीकरण जारी रख सकते हैं। साथ ही हम कैसे अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रख सकते हैं, न केवल मेरे खुफिया क्षेत्र में, बल्कि हम इस मामले में वाणिज्य और व्यापार के साथ-साथ रक्षा और शिक्षा पर भी विचार कर रहे हैं। मैं यहां भारत-अमेरिका साझेदारी में केवल अवसर ही देख रही हूं।

पीएम मोदी से मिलीं ...

इस धार्मिक समागम में प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में 660 मिलियन से अधिक लोग शामिल हुए, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम बन गया। तुलसी गब्बार्ड ने कहा कि टैरिफ के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच शीर्ष स्तर पर सीधी बातचीत होती है। अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था पर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि मैंने भारतीय सरकारी अधिकारियों से सुना है कि यहां हमारे आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की अधिक संभावनाएं देखने का अवसर है। जब हम टैरिफ को देखते हैं तो मुझे यह देखकर खुशी हुई कि वे इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देख रहे हैं, न कि केवल नकारात्मक दृष्टिकोण से। तुलसी गबार्ड ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में मैंने जिन भारतीय सरकारी अधिकारियों से बात की है, उनसे मैंने जो सुना है, उसके अनुसार यहां एक अवसर है। अमेरिकी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की बैठक के दौरान भारत ने अमेरिका में खालिस्तानी संगठन एसएफजे (सिख फॉर जस्टिस) द्वारा की जा रही भारत विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया। भारत ने अपनी चिंता व्यक्त की और अमेरिकी प्रशासन से इस गैरकानूनी संगठन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

पीएमएवाई-जी : सीएम ...

और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया कि मंगलवार तक सभी व्यवस्थाएं पूरी हो जाएं। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने गामोछा वितरण कार्यक्रम को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने गामोछा बुनकरों को बाजार में उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने के लिए *स्वनिर्भर नारी* नामक योजना शुरू की है। इस पहल के तहत, सरकार प्रत्येक वर्ष एक निश्चित मूल्य पर बुनकरों से सीधे गामोछा खरीदती है, इस प्रकार गामोछा बाजार से बिचौलियों को खत्म करते हुए उन्हें उचित मूल्य की गारंटी देती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने इस वर्ष पहले ही 6.5 लाख गामोछा खरीद लिए हैं और आगामी वर्ष में 10 लाख गामोछा खरीदने की योजना है। उन्होंने जिला आयुक्तों से बुनकरों से सीधे गामोछा खरीदने और उन्हें सरकारी कार्यक्रमों में शामिल करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में गामोछा की बढ़ती मान्यता पर प्रकाश डाला और उल्लेख किया कि उन्होंने इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को असम से गामोछा खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में हर असम भवन में गामोछा बिक्री केंद्र स्थापित किया जाएगा 7 बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव जेबी एक्का, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव केके द्विवेदी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की आयुक्त कीर्ति जल्ली सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अमृतपाल के सात सहयोगियों ...

दस सदस्यों, जिनमें एक निर्दलीय सांसद अमृतपाल और उनके एक चाचा भी शामिल हैं, को 2023 से डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में रखा गया है, जब संगठन पर कार्रवाई के बाद उन्हें पंजाब के विभिन्न हिस्सों से राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अधीक्षक हरिंदर सिंह गिल के नेतृत्व में पंजाब पुलिस की टीम स्थानांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए पूर्वी असम के डिब्रूगढ़ में कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने में लगी हुई थी। स्थानांतरण के लिए निर्धारित बंदियों में दलजीत सिंह कलसी, कुलवंत सिंह धालीवाल, गुरुमीत सिंह बुक्कनवाला, हरजीत सिंह, भगवंत सिंह उर्फ प्रधान मंत्री बाजेके, बसंत सिंह और गुरिंदरपाल सिंह शामिल हैं। अमृतपाल सिंह, पपलप्रीत सिंह और वरिंदर सिंह जौहल को यहां एनएसए के तहत हिरासत में रखा जाएगा, उनकी हिरासत अवधि जून 2025 में समाप्त होगी। कट्टरपंथी उपदेशक ने 2024 का लोकसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ा था और पंजाब की खडूर साहिब सीट से जीत हासिल की थी। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने रविवार को बताया कि पंजाब सरकार ने उनकी हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद उन पर एनएसए फिर से नहीं लगाने का फैसला किया है, जिसके बाद उनके सात सहयोगियों को वापस बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें 2023 के अजनाला पुलिस स्टेशन पर हमले की घटना में औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया जाएगा और कानून का सामना करना पड़ेगा।

पूर्वोत्तर के विकास ...

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में स्थानीय लोगों (छात्र/शिक्षक/कर्मचारी) की भर्ती/संस्थापन पर चर्चा की गई। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के प्राथमिक स्तर से शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत समन्वय सुधारने के विषय पर भी प्रतिनिधियों ने जोर दिया और शिक्षा संस्थानों में छात्रों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की संख्या, शिक्षक प्रशिक्षण आदि के बारे में चर्चा की। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के साथ कई विदेशी देशों की सीमाएं जुड़ी होने के कारण, इन सीमाओं पर विभिन्न अवैध गतिविधियों के होने की संभावना रहती है। इसलिए इस संसद में प्रतिनिधियों ने सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर गहरी चर्चा की। विशेष रूप से खुले सीमाओं को जल्द से जल्द फेंसिंग कर बंद करने के विषय पर चर्चा की गई। इसके अलावा शैक्षिक संस्थानों के कैंपसों को नशीली सामग्री से मुक्त रखने के बारे में भी चर्चा की गई। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लेखित विषयों के अनुसार यह चर्चा की गई कि हम अपनी मातृभाषाओं के प्रचार को बढ़ावा देकर अपने शिक्षा प्रणाली में उन्हें कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। विभिन्न परीक्षा के समय परीक्षा केंद्रों की कमी के कारण उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को पर्याप्त समस्याओं का सामना करना पड़ता है, इस मुद्दे पर संसद में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पर्याप्त परीक्षा केंद्र स्थापित करने और उनमें सभी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता की मांग की गई।

एपीडीसीएल ने 2026-27 तक ...

सफलतापूर्वक कोयला लिंकेज हासिल किया है। इस आवंटन के अनुरूप, एपीडीसीएल ने आवंटित कोयला लिंकेज का उपयोग करके 500 मेगावाट थर्मल पावर के लिए निविदा जारी करके खरीद प्रक्रिया शुरू की। निविदा का अर्हता अनुरोध (आरएफक्यू) चरण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है, और आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। एपीडीसीएल डेवलपर-मोड समझौते के तहत एनटीपीसी द्वारा पेश की गई 100 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड बिजली को 3.43 रुपए प्रति यूनिट की प्रतिस्पर्धी दर पर खरीद रहा है। एपीडीसीएल ने कहा कि इस खरीद को असम सरकार से कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। एपीडीसीएल वित्त वर्ष 2031-32 से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड से 200 मेगावाट बिजली खरीदने की प्रक्रिया में है। एपीडीसीएल 320 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना को आगे बढ़ा रहा है, जिसका निर्माण एसजेवीएनएल (एल 1) द्वारा पहले ही शुरू किया जा चुका है। यह परियोजना राज्य के अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एपीडीसीएल ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अधिकतम मांग 2684 मेगावाट (सितंबर 2024 तक) है, जो 2023-24 से 11.23 प्रतिशत अधिक है। एपीडीसीएल सूत्रों के अनुसार 2025-26 में राज्य की संभावित बिजली मांग 2950 मेगावाट होगी।

भाजपा सांसद सैकिया ने ...

क्षेत्र का जिक्र करते हुए सैकिया ने कहा कि दरंग जिले में रेलवे कनेक्टिविटी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने रेल मंत्री से व्यक्तिगत रूप से और इस सदन के माध्यम से कई बार अनुरोध किया है, लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। कृपया मुझे वर्तमान स्थिति के बारे में बताएं। सैकिया ने रेलवे से खोइराबारी, डेकारगांव, गोरेश्वर, माजबाट, टंगला और उदालगुड़ी जैसे स्टेशनों पर कई ट्रेनों के ठहराव बिंदुओं को बहाल करने का भी अनुरोध किया, जिन्हें कोविड महामारी के दौरान हटा दिया गया था। भाजपा सांसद ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 2025-26 के दौरान भारतीय रेलवे के लिए 2,65,200 करोड़ रुपए आवंटित किए, जिसने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने कहा कि यह आवंटन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के दौरान आवंटित 45,900 करोड़ रुपए से छह गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में कुल 31,180 किलोमीटर रेलवे लाइन बिछाई गई, जबकि 4,876 किलोमीटर पटरियों पर कवच सुरक्षा प्रणाली चालू की गई। सांसद ने कहा कि रेलवे ने आजादी के बाद से 2014 तक 21,000 किलोमीटर पटरियों का विद्युतीकरण किया, लेकिन पिछले 10 वर्षों के दौरान 60,000 किलोमीटर से अधिक का विद्युतीकरण किया गया है और रेलवे जल्द ही अपना 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लेगा। बाद में, सैकिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज संसद में, मैंने अपने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दरांग में रेलवे नेटवर्क और रेलवे विभाग से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण चिंताओं सहित प्रमुख मुद्दों को उठाया। अपने क्षेत्र के लोगों के लिए रेलवे संपर्क और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हूं!

औरंगजेब की कब्र को ...

गया। पुलिस ने पहुंचकर दोनों विरोध प्रदर्शन कर रहे समूहों को अलग किया और शिवाजी चौक से चिंतिस पार्क की ओर खदेड़ दिया। हालांकि चिंतिस पार्क से आगे, भालदार पुरा इलाके से पुलिस पर भारी मात्रा में पत्थरबाजी की गई। स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया, लेकिन लगातार हो रही पत्थरबाजी के चलते पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। सूत्रों के अनुसार, पत्थरबाजी के कारण कई वाहनों को नुकसान पहुंचा है। नागपुर से सांसद व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर ट्वीट कर लोगों से शांति की अपील की। नितिन गडकरी ने लिखा कि नागपुर शांति और सद्भाव के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध शहर है। इस शहर में जाति, पंथ या धर्म के आधार पर कोई विवाद या लड़ाई नहीं होती। वहीं नितिन गडकरी ने नागपुर निवासियों से शांत रहने और स्थिति को संभालने में जिला पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बता दें कि बवाल के बाद पुलिस जब समझाने पहुंची तो दोनों गुट आक्रोशित हो गए। पत्थरबाजी और आगजनी करने लगे। सड़क पर खड़ी कई गाड़ियों में आग लगी दी। साथ ही साथ गाड़ियों में तोड़फोड़ भी की। पत्थरबाजी के दौरान कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल हालात को संभालने के लिए पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया है। प्रदर्शन कर रहे लोगों को खदेड़ा जा रहा है।

संसद में किए गए ...

केवल 39 आश्वासन पर कार्रवाई की है। उन्होंने वेबसाइट का हवाला देते हुए कहा कि दोनों सदनों में 1324 आश्वासन लंबित हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया कि संसद के दोनों सदनों में दिए गए 99 प्रतिशत आश्वासन पूरे किए गए हैं। आश्वासन को ट्रैक करने के लिए ऑनलाइन एश्योरेंस मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया गया है। इससे आश्वासन को गंभीरता से लेते हुए उससे पूरा किया जाता है। सिस्टम लागू होने से पहले पेंडिंग रेट ज्यादा थे। उन्होंने कहा कि आश्वासन तीन महीने के अंदर पूरा होना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि कोई संसद सदस्य किसी मंत्री को पत्र लिखता है तो भी उसका जवाब एक महीने के अंदर देना चाहिए।

खेल संघों में खेल ...

एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने सुनवाई की। कोर्ट की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विभिन्न खेल निकायों और उनके मैनेजमेंट से संबंधित कई मामले हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। एक अन्य मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने एनजीओ सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन द्वारा दायर जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया। पीठ ने उसे इसी मुद्दे पर लंबित मामले के साथ संलग्न कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जनहित याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा। इस याचिका में देश के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति केवल कार्यपालिका और प्रधानमंत्री द्वारा करने के मौजूदा चलन को संविधान का उल्लंघन घोषित किए जाने का अनुरोध किया गया है। एनजीओ की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि यहां सवाल संस्था की स्वतंत्रता का है। महाराष्ट्र जैसे राज्य जहां भाजपा सत्ता में है, वहां कैग की लेखा परीक्षा को बाधित किया जा रहा है। याचिका में कोर्ट से ये निर्देश देने के लिए कहा गया है कि राष्ट्रपति कैग की नियुक्ति पीएम, विपक्ष के नेता और देश के प्रधान न्यायाधीश वाली स्वतंत्र और तटस्थ चयन समिति के परामर्श से पारदर्शी तरीके से करें।

शिक्षा, नौकरी और ...

के नेता के रूप में मैं आश्वासन दे रहा हूं कि सक्रिय कदम उठाऊंगा और 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण हासिल कराऊंगा। सभी दलों के नेताओं से अपील है कि वे एक साथ आएं और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से मिलें। हम ओबीसी आरक्षण को 42 प्रतिशत बढ़ाने के लिए आवश्यक कानूनी सहायता भी लें जब तक पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिल जाता हम शांत नहीं बैठेंगे। हम कामारेड्डी घोषणापत्र के प्रति प्रतिबद्ध हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने विधान परिषद में कहा कि सरकार कर्ज के बोझ और अन्य कारणों से नकदी की कमी का सामना कर रही है। आरबीआई से 4,000 करोड़ रुपए का कर्ज लेने के बाद कर्मचारियों को वेतन दे रही है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों से महंगाई भत्ते (डीए) और अन्य के भुगतान के संबंध में सहयोग की अपील की। हालांकि वेतन हर महीने की पहली तारीख को दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि हर महीने की पहली तारीख को वेतन देना मुश्किल हो जाता है। मैं सरकारी कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे हर महीने की पहली तारीख को वेतन लेकर सरकार की सेवा करें। कभी-कभी, हमें रिजर्व बैंक से कर्ज लेना पड़ता है। मैंने 4,000 करोड़ रुपए का कर्ज लेकर पहली तारीख को वेतन दिया। सरकार कर्मचारियों की है। मैं वित्तीय स्थिति के संबंध में सभी तथ्य और आंकड़े उनके सामने रखूंगा ताकि वे भुगतान पर अपने विचार दे सकें।

ऑल इंडिया मुस्लिम ...

जियाउर रहमान बर्क, सीपीआईएम सांसद राजा राम सिंह, मौलाना महमूद मदनी अध्यक्ष जमीअत उलमा ए हिंद, सय्यद सआदतउल्लाह हुसैनी अध्यक्ष जमाआत ए इस्लामी हिंद, मौलाना असगर अली इमाम सल्फी मेहदी अध्यक्ष ऑल इंडिया जमीअत अहले हदीस, सिख नेता प्रोफेसर जगमोहन सिंह, दलित नेता बेलाराम, पूर्व विदेश मंत्री व कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उन्होंने संसद और जेपीसी में वक्फ की लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह विधेयक गैर कानूनी है और इसे किसी भी सूरत में पास नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस विधेयक का विरोध करने वाले सभी विपक्षी दलों के सांसदों का धन्यवाद करते हुए कहा कि हम सभी को साथ लेकर इस विधेयक का संसद में विरोध करेंगे। जमीअत उलमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने भी इस विधेयक का विरोध करते हुए कहा है कि खुशी की बात यह है कि इस बिल का विरोध करने के लिए बड़ी तादाद में दूसरे अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी हमारे साथ आ रहे हैं और वह हमें भरोसा दिला रहे हैं की आखिरी दम तक मिलकर विरोध करेंगे। जमाअत ए इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सआदतउल्लाह हुसैनी ने भी वक्फ संशोधन विधेयक पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विधेयक हमें किसी भी सूरत में कबूल नहीं है। सरकार को इसे वापस लेना चाहिए। जब तक यह विधेयक वापस नहीं लिया जाता तब तक इसका इसी तरह से विरोध जारी रहेगा। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि वह और उनकी पार्टी इस विधेयक के विरोध में है और पार्टी संसद में इसका विरोध करती रहेगी। समाजवादी पार्टी के सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी ने भी विश्वास दिलाया कि उनकी पार्टी पहले दिन से इस विधेयक के विरोध में है और जब तक इसको रद्द नहीं किया जाता तब तक वह इसका विरोध करती रहेगी। उड़ीसा के बीजू जनता दल के सांसद मोहिबुल्लाह खान, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सांसद डॉ. फौजिया ने भी इस विधेयक का विरोध करते हुए मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की मांगों का समर्थन किया और विश्वास दिलाया है कि संसद में इस विधेयक का विरोध किया जाएगा। कांग्रेस सांसद जावेद खान ने भी कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को जिस तरह से संसद में लाया गया और उसको पास कराने की कोशिश की जा रही है इससे साबित होता है कि केंद्र सरकार की मंशा ठीक नहीं है। केंद्र सरकार की मंशा वक्फ संपत्तियों को हड़पने की है जिसे कभी पूरा नहीं होने दिया जाएगा। सीपीआई नेता हन्नान मोल्ला ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक किसी भी तरह से वक्फ के हित में नहीं है। वह अपने सांसदों के साथ इसका हर स्तर पर विरोध करते रहेंगे। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी कहा है कि यह विधेयक जबरदस्ती थोपा जा रहा है, जबकि इसकी कोई जरूरत नहीं है वर्तमान कानून वक्फ संपत्तियों की रक्षा के लिए काफी है।

चाईबासा में जिंदा ...

शुरू किया। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चारों बच्चे घर के पास पुआल में खेल रहे थे, तभी अचानक आग लग गई और वे उसकी चपेट में आ गए। मृतकों में अर्जुन चातार का पांच वर्षीय पुत्र प्रिंस चातार, चंद्रमोहन सिंकू का पांच वर्षीय पुत्र साहिल सिंकू, सुखराम सुंडी का दो वर्षीय पुत्र रोहित सुंडी और पांच वर्षीय भूमिका सुंडी शामिल हैं। इस घटना पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) आशुतोष शेखर ने बताया कि चारों बच्चे नाबालिग थे और मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

कृषि मंत्री अतुल बोरा ने गुवाहाटी में एफपीओ मेले का उद्घाटन किया

गुवाहाटी। कृषि विभाग (डीए) ने पंजाबी बाग के गुवाहाटी एलपीग्राम में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) मेला 2025 का आयोजन किया है। आज से शुरू हुआ यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 19 मार्च तक चलेगा, जो स्थानीय किसान समूहों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। साथ ही साथ उनकी व्यावसायिक क्षमताओं को भी मजबूत करेगा। इस कार्यक्रम का आधिकारिक उद्घाटन कृषि, बागवानी आदि मंत्री अतुल बोरा ने किया, जिसके साथ असम की कृषि क्षमता के तीन दिवसीय रोमांचक प्रदर्शन की शुरुआत हुई। अपने संबोधन में, मंत्री बोरा ने केंद्र सरकार की 10, 000 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) योजना के गठन और संवर्धन के महत्व पर जोर दिया, जो सामूहिक खेती को

बढ़ावा देने और बाजारों तक उनकी पहुंच में सुधार करके भारत भर में छोटे और सीमांत किसानों को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इस तरह के सहयोगात्मक प्रयासों से असम के किसानों के लिए अपार संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। मेले में असम से 43 एफपीओ तथा मेघालय से दो एफपीओ भाग ले रहे हैं। ये एफपीओ स्थानीय स्तर पर उत्पादित कृषि वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन कर रहे हैं और ग्राहकों और व्यापार भागीदारों के साथ जुड़ रहे हैं, जिससे उनके उत्पादों के व्यावसायीकरण में सुविधा हो रही है। यह आयोजन असम के कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि एफपीओ आधुनिक बाजार में पनपने के लिए आवश्यक उपकरणों और संसाधनों से लैस हों। इस कार्यक्रम में कृषि उत्पादन आयुक्त अरुणा राजोरिया भी उपस्थित थीं, भास्कर पेगु, कृषि निदेशक, तेज प्रसाद भूषण, सचिव, कृषि विभाग, लोकेन दास, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, और हरि बोरो, एसएफएसी में सलाहकार। इन गणमान्य व्यक्तियों ने कृषि एवं संबद्ध विभागों के अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर क्षेत्र में एफपीओ के निरंतर विकास के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

मोरियानी में भाजपा में शामिल हुए कई नेता

जोरहाट (हिंस)। पंचायत चुनाव से पहले अपनी ताकत बढ़ाने के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेता सक्रिय हो गए हैं। मोरियानी के हनुवाल चाय बागान में भाजपा का एक विशाल सदस्यता अभियान आयोजित किया गया। भाजपा के विधायक रूपज्योति कुर्मी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (अजायुछाप) के 200 से अधिक नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए।

चोरी के मामले में पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। दिसपुर पुलिस ने खानापाड़ा इलाके में छापेमारी कर चोरी के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से एक बैटरी और दो रिंच बरामद किए हैं। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हाबेल अली (35), जाकिर हुसैन (18), अवतार सिंह (30), चंदन शर्मा (18) और दीपक ब्रह्म (33) के रूप में हुई है।

शिक्षकों के अंतर जिला स्थानांतरण के लिए पोर्टल लांच

शिक्षकों के अंतर जिला स्थानांतरण के लिए मंगलवार से शुरू होंगे आवेदन

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने शिक्षकों के अंतर-जिला तबादला के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल लांच किया है। इस नए पोर्टल के माध्यम से शिक्षक संशोधित नीति के तहत स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो जाएगी और 30 अप्रैल तक चलेगी। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने सोमवार को सर्व शिक्षा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि शिक्षकों के अंतर-जिला तबादला के लिए पोर्टल के माध्यम से आवेदन मांगे किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पहले नियुक्ति की शर्तों के अनुसार शिक्षकों को अंतर-जिला स्थानांतरण की अनुमति नहीं थी, लेकिन नई नीति के तहत योग्य शिक्षक अब स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 10 से अधिक वर्षों की सेवा वाले शिक्षक आवेदन कर सकते हैं, जबकि दिव्यांग शिक्षक दो वर्षों के बाद आवेदन के पात्र होंगे। पुराने शिक्षकों को पोर्टल पर लॉगिन कर दोबारा आवेदन करना होगा, जबकि नए शिक्षकों को प्रोफाइल बनानी होगी। तबादला प्रक्रिया गर्मी की छुट्टियों के दौरान पूरी कर ली जाएगी ताकि शिक्षकों को सहज स्थानांतरण मिल सके। डॉ. पेगु ने सभी इच्छुक शिक्षकों से समय सीमा के भीतर पोर्टल का उपयोग करने की अपील की।

असम को नशामुक्त बनाने की दिशा में बड़ी कार्रवाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने राज्य के अलग-अलग स्थानों पर मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान चलाया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि तिनसुकिया जिले के काकोपथार इलाके में एक ड्रग्स तस्कर के घर से 1.046 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी तरह, एक अन्य संयुक्त अभियान में माजबाट थाना पुलिस और 23वीं बटालियन एसएसबी की टीम ने माजुली वन क्षेत्र में छापा मारकर करीब 73 लाख रुपये की कीमत का गांजा जब्त किया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले में विधिसम्मत कार्रवाई जारी है। इसके अलावा, मानकाचर थाना (दक्षिण सालमारा जिला) की एंटी-नारकोटिक्स टीम ने काचारीपारा इलाके से 50 बोतल (5000 मिलीलीटर) एसकफ कफ सिरप और तीन मोबाइल फोन बरामद किए। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एफआईआर दर्ज की गई है। नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है।

फरवरी में आरपीएफ ने 11 घुसपैठियों को पकड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। अवैध घुसपैठियों (बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं) का पता लगाने के लिए कार्रवाई जारी रखते हुए, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने फरवरी में पूसी रेलवे के धर्मनगर और अगरतला रेलवे स्टेशनों पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान 11 अवैध प्रवासियों और 02 भारतीय एजेंटों को पकड़ा। 15 फरवरी की एक घटना में अगरतला रेलवे स्टेशन पर अगरतला रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने नियमित अभियान चलाया। तलाशी के दौरान उनलोगों को स्टेशन पर 02 बांग्लादेशी महिला नागरिकों का पता चला। पूछताछ करने पर वे अपनी पहचान के कोई वैध दस्तावेज नहीं दे पाईं। बाद में उनलोगों ने बांग्लादेश से भारत में अवैध तरीके से प्रवेश करने की बात स्वीकार की। अवैध प्रवासियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए प्रभारी/राजकीय रेलवे पुलिस/ अगरतला को सौंप दिया गया। पूसी रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल द्वारा स्टेशनों और ट्रेनों में अवैध प्रवासियों, रोहिंग्याओं और संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखने के लिए नियमित आधार पर कई कदम उठाए जाते हैं। स्टेशनों और ट्रेनों में तैनात रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारी इस तरह की किसी भी संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए विभिन्न स्तरों पर काफी सजग हैं।

रंगिया : बिजली की चपेटे में आने के एक की मौत

रंगिया (निसं)। रंगिया के इस्लामपुर के राजीव अली (30) की आज दुखद मृत्यु हो गई। घटना की मिली जानकारी में बिजली की चपेट में आने से राजीव की दुखद मृत्यु हुई है। राजीव रंगिया रेलवे स्टेशन पर ठेकेदार के निर्देश पर काम कर रहा था। वहां हाई वोल्टेज तारों से संपर्क में आने पर पहले चरण में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके बाद तुरंत रंगिया के एक निजी अस्पताल में लाया गया, हालांकि कुछ समय बाद ही राजीव अली की मृत्यु हो गई। मृत्यु के समय पत्नी और एकमात्र बेटे को इस संसार में छोड़कर चल बसा।

खैराबाड़ी में अटल स्मृति सभा संपन्न

रंगिया (विभास)। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शतवार्षिकी के अवसर पर खैराबाड़ी के शंकर मिशन सभागार में सोमवार को उदालगुड़ी जिला भाजपा के सौजन्य से *अटल स्मृति सभा* का आयोजन किया गया। उदालगुड़ी जिला भाजपा के उपाध्यक्ष वीकन डेका के संचालन में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता किशोर उपाध्याय ने पूर्व प्रधान मंत्री के जीवन दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। इस खुली बैठक में खैराबाड़ी क्षेत्र के पारिषद भबेंद्र बोड़ो उपस्थित रहे। इसके अलावा बैठक में भाजपा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य निरंजन सिंह, उदालगुड़ी जिला भाजपा

अध्यक्ष सुनील कुमार बसुमतारी, उपाध्यक्ष मिनन मुसाहारी, भेरगांव मंडल भाजपा अध्यक्ष फटिक कछारी, भाजपा खैराबारी मंडल के अध्यक्ष नृपेन देबनाथ सहित भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता खगेन नार्जरी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के पूर्व मौके पर उड़ालगुड़ी जिला भाजपा अध्यक्ष सुनील कुमार बसुमतारी ने अटल बिहारी वाजपेयी की छवि पर माल्यार्पण किया। इसके अलावा आयोजित स्मृति सभा में जिला के 70 विशिष्ट लोगों को जिला भाजपा की ओर से सम्मानित किया गया।

पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

चोरी की 13 बाइक और तीन कार बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने मणिपुर से जुड़े एक बड़े अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ऑपरेशन के दौरान इनके पास से 12 रॉयल एनफील्ड बाइक सहित 13 चोरी की बाइक बरामद कीं। इसके अतिरिक्त, तीन चोरी की कारें, जिनमें दो महिंद्रा थार एसयूवी और एक महिंद्रा स्कॉर्पियो भी जब्त की गईं। यह गैंग चोरी की बाइकों को बसों के जरिए मणिपुर ले जाता था। असम पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़ ग्वालपाड़ा से असम के एक लिंकमैन इनामुल हुसैन की गिरफ्तारी के बाद किया। यह चोरी की गई बाइकों को मणिपुर ले जाने में भूमिका महत्वपूर्ण निभाता था। इस गिरोह के सदस्य मात्र 30 सेकंड में ही बाइक और कार चुराने के लिए कुख्यात थे। चोरी की गई गाड़ियों को ले जाने के लिए जिम्मेदार दो अन्य लोगों सहित कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरोह के काम करने का तरीका अलग था। गिरोह के सदस्य गुवाहाटी में आते थे और यहां चार से पांच दिन रुकते और फिर भागने से पहले चोरी करते। पुलिस को यह भी पता चला कि एक युवती भी गिरोह की सक्रिय सदस्य थी। पुलिस इनके और सहयोगियों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

तेयुप का मेगा हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित

गुवाहाटी। तेरापंथ युवक परिषद, गुवाहाटी द्वारा संचालित एटीडीसी एवं एटीएमआरएफ के सौजन्य से तुलसी ग्रैंड, धारापुर में एक मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। एटीडीसी तेयुप संयोजक महक दुग्गड़ ने बताया कि इस कैंप के आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के निर्धन लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना है। इस कैंप में 125 लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ और उनके ब्लड टेस्ट किए गए। स्वास्थ्य जांच शिविर में मारवाड़ी हॉस्पिटल की ओर से चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं नि:शुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं। साथ ही लायंस आई हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा नेत्रों की जांच की गई। एटीडीसी की ओर से डॉ. साक्षी वर्मा, डॉ. अभिषेक शर्मा और डॉ. तिलक जसवार के अलावा विशेष रूप से वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कमल जैन एवं डॉ. पंकज पटावरी, डॉ. अंकित पटावरी और डॉ. अमृता पिंचा ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम में एटीएमआरएफ के मंत्री अजय भंसाली, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार डागा आदि उपस्थित रहे। इस कैंप को सफल बनाने में एटीडीसी संचालन समिति के संयोजक झनकार दुधोड़िया एवं एटीडीसी तेयुप टीम के महक दुग्गड़, अमित मालू, प्रकाश छाजेड़ तथा तेयुप एवं किशोर मंडल के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। कैंप में तेयुप के पूर्व अध्यक्ष मनीष कुमार सिंघी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर तेयुप के अध्यक्ष सतीश कुमार भादानी ने कहा कि तेरापंथ युवक परिषद एटीडीसी का संचालन कर रही है, जिसके माध्यम से हम सभी को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि इस कैंप का अवलोकन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष रमेश डागा एवं एटीडीसी के प्रवृत्ति सलाहकार निर्मलजी बैंगानी ने किया।

पानबाजार पुलिस ने चोरी के मोबाइलों के साथ दो को दबोचा

गुवाहाटी (हिंस)। पानबाजार पुलिस ने चोरी के मोबाइलों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर 2 नंबर रेलवे गेट इलाके में छापेमारी कर दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोफिदुल इस्लाम (24) और मीर मोहम्मद अली के रूप में हुई है। उनके कब्जे से चोरी के कई मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनमें एक सैमसंग फोन, एक इनफिनिक्स फोन, दो एमआई फोन, एक नीले रंग का रियलमी फोन और दो मोटोरोला फोन शामिल हैं। असम पुलिस के सीपीआरओ ने इसकी जानकारी दी है।

ग्रीन आशियाना और राष्ट्रीय सनातन का गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट पर द्वितीय वार्षिक महारुद्र यज्ञ का आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। ग्रीन आशियाना और राष्ट्रीय सनातन संघ द्वारा गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट पर 19, 20 और 21 मार्च को द्वितीय वार्षिक महा रुद्र यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर ग्रीन आशियाना के मालिक डॉ. कल्प किशोर हजारिका के तत्वावधान में आयोजित प्रेसमिट में उन्होने बाताया 19 सौ करोड़ शिवलिंगों से समृद्ध ऐतिहासिक गुप्तकाशी विश्वनाथ धाम में *महा रुद्र यज्ञ* मनाया जाएगा। कार्यक्रम अनुसार मंगलवार, 18 मार्च को प्रात: 10 बजे वेदी निर्माण एवं यज्ञ मंडप के प्रवेश द्वार का उद्घाटन शामिल होगा। बुधवार, 19 मार्च को प्रात: 8-30 बजे भूमि पूजन होगा। कार्यक्रम सुबह 9 बजे ध्वजा रोहण होगा जिसमें शोणितपुर लोकसभा छेत्र के सांसद रंजित दत्त करेंगे। वहीं विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र के

विधायक प्रमोद बरठाकुर सुबह 9 बजे दीप प्रज्ज्वलित करेंगे। रुद्र अभिषेक, दोपहर 12-30 बजे महाप्रसाद वितरण, दोपहर 2 बजे यज्ञ प्रारंभ और शाम 5-30 बजे महाआरती होगी। कार्यक्रम का मंच उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार निरंजन हजारिका शाम 6 बजे करेंगे। कार्यक्रम प्रात: 6-10 बजे प्रारंभ होगा, प्रात: 7 बजे प्रसाद वितरण, अंत में गुरुवार, 20 मार्च 2025 को प्रात: 8-30 बजे आमंत्रित देवी-देवताओं का पूजन, प्रात: 10 बजे रूद्र अभिषेक तथा दोपहर 1 बजे विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान होगा। ग्रीन एशियाना के मालिक किशोर हजारिका और स्निग्धाज्योति गोस्वामी ने इस आयोजन को सफल बनाने का विश्वनाथ तथा असम वासीयो को आह्वान किया है।

असम राइफल्स महिला प्रहरी कप 2025 उत्साह के साथ शुरू

विश्वनाथ (विभास)। असम राइफल्स महिला प्रहरी कप 2025 बड़े उत्साह के साथ लोकरा गैरिसन फुटबॉल ग्राउंड में शुरू हुआ, जिसमें डीजीएआर महिला फुटबॉल टीम के साथ पूर्वोत्तर भर से सात राज्य टीमें एक साथ आईहुई हैं। 16 मार्च 25 को आयोजित होने वाले इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शोणितपुर (असम) के उपायुक्त श्री अंकुर भराली (एसीएस) और कुमार चंद्र विक्रम डीआईजी एसएसबी प्रशिक्षण केंद्र सलोनीबाड़ी अन्य गणमान्य लोगों के साथ उपस्थित थे। भाग लेने वाली टीमों में नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, डीजीएआर महिला फुटबॉल टीम, असम और मेघालय शामिल हैं। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य महिला फुटबॉल को बढ़ावा देना और युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना है। मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश के बीच खेला गया पहला मैच दोपहर 1300 बजे शुरू हुआ, जिससे रोमांचक प्रतियोगिता का मंच तैयार हुआ। असम राइफल्स ने खेलों में महिलाओं को सशक्त बनाने, सामुदायिक संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्र में युवा एथलीटों को प्रेरित करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी है।

लिवर ट्रांसप्लांट मरीज की जान बचाकर उन्हें जीवन का दूसरा मौका दे सकता है : डॉ. नितिन कुमार

गुवाहाटी। भारत में लिवर रोग चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं। बढ़ते मदिरासेवन, मोटापे, हेपेटाईटिस बी एवं सी जैसे वायरल संक्रमणों, तथा अस्वस्थ आहार के कारण फैटी लिवर, सिरोसिस, और लिवर फेल होना आम हो गया है। लेकिन फिर भी अनेक मरीज शुरुआती लक्षणों को नजरंदाज कर देते हैं, जिसके कारण लिवर रोग बढ़कर अंतिम चरण में पहुंच जाता है। इस स्थिति में जान बचाने के लिए केवल लिवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र उपाय बचता है। गुवाहाटी जैसे शहरों में लिवर केयर की विशेषज्ञ सुविधाओं की कमी के कारण इसके निदान में और ज्यादा विलंब हो जाता है, जिससे समय पर इलाज शुरू नहीं हो पाता। गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में लिवर को स्वस्थ रखने के महत्व के बारे में बोलते हुए डॉ. नितिन कुमार, एचओडी एवं कंसल्टैंट, लिवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी,

दिल्ली ने कहा कि लिवर रोग चुपचाप बढ़ता रहता है और तब तक लक्षण प्रकट नहीं करता, जब तक शरीर को गंभीर नुकसान न हो जाए। गंभीर परिणामों से बचने के लिए नियमित तौर से जांच और समय पर इलाज शुरू करना बहुत आवश्यक है। जिन मरीजों में लिवर रोग अंतिम चरण तक पहुंच चुका होता है, उनकी जान बचाने के लिए लिवर ट्रांसप्लांट जरूरी हो जाता है, जो अगर सही समय पर हो जाए, तो उन्हें जीवन का दूसरा मौका मिल सकता है। हमारा उद्देश्य लिवर को स्वस्थ रखने की जागरुकता बढ़ाना, समय पर निदान को प्रोत्साहित करना, और यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को बिना विलंब के सर्वश्रेष्ठ इलाज मिल सके। एच सी एम सी टी मणिपाल हॉस्पिटल, दिल्ली भारत में लिवर के विशेषज्ञ इलाज का विस्तार करने में मुख्य भूमिका निभा रहा है। इस हॉस्पिटल में लिवर केयर की विस्तृत सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिनमें निदान, इलाज, मिनिमली इन्वेटिव लिवर सर्जरी, और आधुनिक विधियों से लिवर ट्रांसप्लांट शामिल है। इस हॉस्पिटल का उद्देश्य जागरुकता, समय पर पहचान, और विशेषज्ञ मेडिकल गाईडेंस द्वारा लोगों को अपना लिवर स्वस्थ रखने और समय पर इलाज प्राप्त करने में समर्थ बनाना है। एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, नई दिल्ली द्वारा गुवाहाटी में नियमित तौर से ओपीडी सेवाएं शुरू की जाएंगी, ताकि इस क्षेत्र में लिवर केयर के लिए विशेषज्ञ परामर्श और इलाज उपलब्ध हो सके।

संपादकीय

होली पर इतना तनाव क्यों

होली गुजर गई, लेकिन माहौल बेहद तनावपूर्ण रहा। हमने जिस भाव और रंगों में होली को देखा और खेला है, वे आज गायब लगे। रंगों के इंद्रधनुष थे, उल्लास और उमंग के भाव भी थे, लेकिन विभाजन और कड़वाहट भी थी। जब मस्जिदों को तिरपाल से ढका जा रहा था, तब मन स्तब्ध था। लगातार सवाल उठते रहे कि आखिर हम किस देश में रह रहे हैं? हमारी धर्मनिरपेक्षता, सहिष्णुता और भाईचारा कहां गायब हो गए? मस्जिद को तिरपाल से क्यों ढका गया था? क्या होली के रंगों से भी कोई नापाक होता है? उप्र के 15 जिलों में तिरपालबाजी की गई। यह कोई सामान्य स्थिति नहीं थी? हमने तो ऐसा कभी नहीं देखा। होली के दिन तो रूठने वाले भी खुश हो जाते हैं। यह त्योहार ही सद्भाव, सौहार्द और उल्लास का है। बेशक 2020 के बाद कुछ मस्जिदों पर तिरपालें डाली जाती रही हैं, लेकिन उनमें न तो तनाव था, न नफरत, न सांप्रदायिक दंगों की साजिशें और न ही वे सुर्खियां बनीं। अद्र्धसैन्य बलों, पीएसी, पुलिस और सरकार के तनाव और सुरक्षा के फोकस उप्र के संभल जिले पर ही थे। गली-मुहल्लों में इतने जवान तैनात थे अथवा मार्च कर रहे थे कि आम आदमी के गुजरने की जगह ही बेहद संकरी थी। ऐसा लगता रहा मानो किसी आतंकी हमले की आशंका हो! साल भर में '52 जुमे (शुक्रवार) बनाम होली का एक जुमा' मुहावरा एक पुलिस अधिकारी ने उछाला और उप्र सरकार ने उसे नोटिस थमाने के बजाय होली का एजेंडा ही बना लिया। नेता उसी तर्ज पर बयान देने लगे। मंत्री संजय निषाद ने कहा कि जिन्हें रंगों से परहेज है, वे देश छोड़ कर पाकिस्तान चले जाएं। हरियाणा सरकार के मंत्री अनिल विज एक कदम और आगे बढ़ गए- 'हिंदुस्तान हिंदुओं के लिए ही है।' कइयों ने यह व्यंग्य भी कसा कि रंग न खेलने वाले अपने घरों में ही बंद रहें, बच्चों के साथ खुश रहें और नमाज भी घर में ही पढ़ लें। आखिर यह किस संविधान के अनुच्छेद या कानून की धारा में लिखा है? क्या यह देश किसी धर्म, समुदाय विशेष की बपौती है? सवाल यह भी है कि शुक्रवार को होली या किसी अन्य पर्व के साथ दूसरे समुदायों के त्योहार भी हो सकते थे! ऐसे तनाव हिंदुओं और जैन, सिखों, पारसी, ईसाई, बौद्धों के बीच कभी नहीं देखे गए। हिंदू और मुसलमान के दरमियान ही तनाव, नफरत क्यों होती है? 1964 में भी होली और रमजान का जुमा साथ-साथ मनाए गए थे। तनाव की न तो तिरपालें ढकी गईं और न ही कोई सांप्रदायिक दंगा हुआ। अब बेशक उप्र सरकार दावा कर रही है कि होली शांति से मनाई गई। कहीं, कुछ भी गलत या अनिष्ट नहीं हुआ, लेकिन उप्र के ही शाहजहांपुर, उन्नाव, बिजनौर, अलीगढ़, मुरादाबाद के अलावा लखनऊ और अयोध्या तक में तनावग्रस्त झड़पें क्यों हुईं? सवाल यह भी किया जाना चाहिए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर वक्त 'सनातन' और '80:20' की माला क्यों फेरते रहते हैं? यह भाजपा का वोट-मंत्र हो सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तो सभी के होते हैं। उप्र ही नहीं, झारखंड के रांची, हजारीबाग, गिरिडीह, बिहार के पटना और मुंगेर, राजस्थान के सीकर और पंजाब के लुधियाना आदि में खूब पथराव किए गए, कांच की बोतलों से प्रहार किए गए, दुकानों और पुलिस वाहनों को फूंक दिया गया। मुंगेर में तो हत्या की होली खेली गई। आखिर इतना गुस्सा, इतनी नफरत, एक-दूसरे को मार देने की खुंदक क्यों थी? होली पर इन कुत्सित भावों और जानलेवा हमलों के मायने ही क्या हैं? यह पर्व देश के करीब 116 करोड़ हिंदुओं और करीब 21 करोड़ मुसलमानों की अग्निपरीक्षा थी, जिसमें समग्र रूप से सभी नाकाम रहे। होली तो मुगल बादशाह भी खेलते थे। याद करो अमीर खुसरो और बुल्ले शाह की कविताएं। तनाव की तिरपालें बेमानी थीं और विभाजक थीं।

रंगों के इंद्रधनुष थे, उल्लास और उमंग के भाव भी थे, लेकिन विभाजन और कड़वाहट भी थी। जब मस्जिदों को तिरपाल से ढका जा रहा था, तब मन स्तब्ध था। लगातार सवाल उठते रहे कि आखिर हम किस देश में रह रहे हैं? हमारी धर्मनिरपेक्षता, सहिष्णुता और भाईचारा कहां गायब हो गए? मस्जिद को तिरपाल से क्यों ढका गया था? क्या होली के रंगों से भी कोई नापाक होता है? उप्र के 15 जिलों में तिरपालबाजी की गई। यह कोई सामान्य स्थिति नहीं थी? हमने तो ऐसा कभी नहीं देखा। होली के दिन तो रूठने वाले भी खुश हो जाते हैं। यह त्योहार ही सद्भाव, सौहार्द और उल्लास का है। बेशक 2020 के बाद कुछ मस्जिदों पर तिरपालें डाली जाती रही हैं, लेकिन उनमें न तो तनाव था, न नफरत, न सांप्रदायिक दंगों की साजिशें और न ही वे सुर्खियां बनीं। अद्र्धसैन्य बलों, पीएसी, पुलिस और सरकार के तनाव और सुरक्षा के फोकस उप्र के संभल जिले पर ही थे। गली-मुहल्लों में इतने जवान तैनात थे अथवा मार्च कर रहे थे कि आम आदमी के गुजरने की जगह ही बेहद संकरी थी। ऐसा लगता रहा मानो किसी आतंकी हमले की आशंका हो! साल भर में '52 जुमे (शुक्रवार) बनाम होली का एक जुमा' मुहावरा एक पुलिस अधिकारी ने उछाला और उप्र सरकार ने उसे नोटिस थमाने के बजाय होली का एजेंडा ही बना लिया। नेता उसी तर्ज पर बयान देने लगे। मंत्री संजय निषाद ने कहा कि जिन्हें रंगों से परहेज है, वे देश छोड़ कर पाकिस्तान चले जाएं।

भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

प्रह्लाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि "टिट फोर टेट" एवं "रेसिप्रोकल" आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है। भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है। अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुनः वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों

चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा।

के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाते जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैचस 24 प्रतिशत बताई गई थी। इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में सधे हुए निर्णय होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इससे पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंततः इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है। हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धयां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी। विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करे अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफ वसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम हैं। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफ की दर घटाई भी है। भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफ कम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंततः भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा में निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बंध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है। दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी।

दृष्टि कोण

रंग, लोकगीत और परंपराओं का उत्सव

पुरानी रामपुर बुशैहर रियासत के दो सुप्रसिद्ध मेले, एक अंतरराष्ट्रीय लवी मेला तथा दूसरा जिला स्तरीय फाग मेला होता है। फाग मेला हिंदू त्योहार होली के एक दिन बाद शुरू होता है। यह मेला बुशैहर रियासत के पदम पैलेस में शुरू होता है। यहां होली वाले दिन तीन भाई देवता साहिब रचोली जाख, देवता साहब गसो तथा देवता साहिब बसाहुरू एक-दूसरे को होली लगाते पदम पैलेस पहुंचते हैं। तभी से फाग मेले का आगाज शुरू हो जाता है। बसाहरा देवता ब्रह्मा, महेश और विष्णु का रूप हैं। ऐसी मान्यता है कि पुराने समय में बुशैहर रियासत के साथ लगते चार क्षेत्र जिसमें प्रमुख शिमला, कुल्लू, किन्नौर तथा मंडी के सुकेत परगना के देवी-देवता तथा देवलू अपने-अपने वाद्य-यंत्रों के साथ अपने पारंपरिक वेशभूषा को जीवंत रखते हुए रामपुर बुशैहर में आगमन करते थे, जो बदस्तूर आज भी जारी है। आज भी इस रियासत के राज परिवार को अपना आशीर्वाद देने आते हैं। फाग मेले को मनाने की प्रथा द्वापर युग से चली आ रही है। बुशहर रियासत की राजधानी शोणितपुर हुआ करती थी। देवताओं के प्रति असीम प्यार एवं श्रद्धा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री वीरभद्र सिंह का भी किसी से छुपा नहीं था। इस मेले का जब आगाज होता है तो राज परिवार का मुखिया या परिवार का अन्य वरिष्ठ सदस्य का यहां होना निश्चित होता है। अन्यथा कई बार देवता लोक रुष्ट होकर वापस भी चले जाते हैं। वैसे ऐसा बहुत कम हुआ है। कभी स्व. श्री वीरभद्र सिंह जी के निजी व्यस्तता के चलते यह परंपरा का निर्वहन राजपरिवार के अन्य सदस्यों के द्वारा पहाड़ी नाटी के धुरे में चोंरें (याक के बाल का) को हिलाते हुए नृत्य को और भी लुभावन कर देता है। पुरानी परंपराओं का स्थान आधुनिकता ने ले लिया है। किसी समय फाग मेले में बुशहर रियासत के लोग अपनी पारंपारिक वेशभूषा में शिरकत कर नाटी का आनंद लेते थे। यहां नाटी आज भी लगती है, परंतु पुराने लोग ही अपनी पारंपरिक वेशभूषा में देखे जाते हैं, क्योंकि युवाओं को पारंपरिक वेशभूषा से शायद परहेज शुरू हो गया है। इसी प्रकार मेले में विशेष प्रकार के व्यंजन परोसे जाते थे। लोग गांव से पोलडु, बटुरु तथा अन्य व्यंजन लाते थे जिसका आधुनिकता में फास्ट फूड ने स्थान ले लिया है। बुशहर के मेलों में मौढ़ी का विशेष महत्व रहता था। मौढ़ी को चावल और गेहूं के दानों को भूनकर बनाया जाता है जिसमें चुली की गुठली, अखरोट, गरी, भांग का बगुडू तथा गुड़ मिलाकर तैयार किया जाता था। पुराने समय में फाग मेला आपसी मिलन का भी स्थान होता था। दूरदराज के दुर्गम क्षेत्रों से लोग पैदल चल कर मेले में आते थे। अपने एक साल से बिछुड़े रिश्तेदारों व मित्रों से मिल कर मौढ़ी का आदान-प्रदान करते थे। उनका मानना था कि मौढ़ी के आदान-प्रदान से आपसी भाईचारा बढ़ता है। ऐसी भी मान्यता है कि पुराने समय में फाग मेला में गर्मी शुरू होने के कारण जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों के लोग बर्फ लाकर राजदरबार में बेचा करते थे। हर साल तकरीबन 20 से ऊपर देवी-देवताओं को निमंत्रण भेजा जाता है। कई बार नगर परिषद तथा स्थानीय प्रशासन की इच्छाशक्ति से लोक संगीत संध्या का प्रावधान भी किया जाता है, जो निहत पारम्परिक बुशैहर की संस्कृति के अनुरूप होता है। ताकि डेविड कार्ड, क्रेडिट कार्ड, फ्री फायर, रील की एक्टिंग और मोबाइल फोन की आभासी दुनिया के अलावा यह भी पता चल सके कि वाद्य यन्त्रों की देव धुनों में भी संगीत पनपता है। देवते नचाते है, देव लोक नाचता है, किसी बन्द कमरे में मोबाइल कैद से बेहतर मेले में लोग अपनत्व होने का आनंद प्राप्त करते हैं। रामपुर बुशैहर का फाग मेला हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर का एक अनमोल हिस्सा है, जो परंपरा, भक्ति और लोकजीवन के रंगों को एक साथ समेटे हुए है। अपनी भव्यता, लोकनृत्य, पारंपरिक रीति-रिवाजों और आध्यात्मिकता के कारण क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण उत्सवों में से एक माना जाता है। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए यह मेला बसंत ऋतु के आगमन और रंगों के त्योहार होली का उत्सव मनाने के लिए आयोजित किया जाता है। स्थानीय लोग पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य और संगीत प्रस्तुत करते हैं, जो क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करता है। यह मेला न केवल स्थानीय निवासियों के लिए, बल्कि पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है, जो हिमाचल प्रदेश की संस्कृति और परंपराओं का अनुभव करना चाहते हैं। रामपुर बुशैहर, जो कि सतलुज नदी के किनारे बसा एक ऐतिहासिक नगर है, अपने समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास के लिए प्रसिद्ध रहा है। यह स्थान प्राचीन समय से व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र रहा है, जहां तिब्बत, किन्नौर और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से व्यापारी आया करते थे। बुशैहर रियासत के शासकों ने इस क्षेत्र में कई परंपराओं को बढ़ावा दिया, जिनमें मेलों और त्योहारों का विशेष स्थान रहा है। फाग मेले की परंपरा भी इसी गौरवशाली अतीत से जुड़ी हुई है।

कुछ अलग

चाय की चुस्की

अंग्रेजों ने चर्चा के लिए स्कैंडल प्वाइंट बनाए या कॉफी हाउस में आपसी बातचीत का माहौल पैदा किया। इसमें दो राय नहीं कि चाय पर चर्चा की लंबाई पूरे देश को जीत सकती है। विषय कोई भी हो, चाय के सामने उबल सकता है। चाय बेझिझक, बेतकल्लुफ व बेकायदा हो सकती है, लेकिन कॉफी नहीं। एक दिन चाय व कॉफी के बीच भारतीयता व राष्ट्रीयता तक के सवाल उलझ गए। चाय ने चुस्की भरते ही कॉफी को घूर कर देखा और उलाहना देते हुए कहा, 'क्या तू भी ऐसे घूंट खींच सकती है। कॉफी ठहरी सभ्य और संभ्रांत, लिहाजा उसने सहज और तरल भाषा में जवाब दिया, 'मैं अंतिम घूंट को भी शांत रखना चाहती हूं, कभी पीने वाले पर दबाव नहीं डालती। इसलिए मेरे प्यालों में प्यास बची रहती है।' चाय वैसे तो खूब उबल कर आई थी, लेकिन कॉफी की शांति पर अंदर ही अंदर उबलने लगी। वैसे उबलने की संगत निभाती चाय ने अधिकांश भारतीयों को उबलने का कोई न कोई बहाना दिया है। यह इसलिए कि चाय का अपना कोई घर-बार तो है नहीं, जहां दिल किया वहीं उबलने लगी, पेड़ के नीचे या पहाड़ के ऊपर। दूसरी ओर कॉफी को हमेशा हाउस चाहिए, इसलिए पीने वाले मानते हैं कि कॉफी किसी सुलझी हुई गृहिणी की तरह शालीन और समर्पित है। एक समय में एक ही काम करती है, जबकि चाय पीने वाले एक साथ बहुत कुछ कर सकते हैं। चाय का क्या, जले भुने लोग पी लेते हैं और दबे-कुचले भी। यही वजह है कि जो देश चाय पीते हैं, उनके बाशिंदे कुछ भी कर सकते हैं। दरअसल किसी व्यक्ति की योग्यता चाय की प्याली बता सकती है। चाय न होती, तो लोग सात समुद्र पार न करते, बल्कि इमिग्रेशन की वजह भी यही है। अब अगर ट्रंप कुछ घुसपैठिया टाइप प्रवासी भारतीयों के खिलाफ दिखाई दे रहे हैं, तो वहां भी मसला मसाला चाय का है। ट्रंप ठहरे कॉफी पीने वाले, वह क्या जानें कि अदरक की चाय का स्वाद क्या होता है। हम हिंदोस्तानी चाय पीते-पीते बड़े-बड़े काम कर लेते हैं। हरियाणा के किसी गांव के किसी खोखे पर उबली चाय ने ही ये विमर्श पैदा किया होगा कि अमरीका जाने के लिए डंकी रूट पकडने का साहसी काम किया जाए। उधर गुजरात की चाय अगर देश की सत्ता जीत सकती है, तो अमरीका किस खेत की मूली। इसलिए जिसने चाय के ज्यादा घूंट पीये, विदेश चला गया। अब हमारे विदेश मंत्री को चाहिए कि वह अपने हाथों से एक-दो प्याली अदरक वाली चाय ट्रंप को पिला दें और फिर देखें सारी विदेश नीति कैसे बदल जाएगी। सारे देश को मिलजुल कर कोशिश यह करनी होगी कि ट्रंप से कॉफी छुड़वा कर चाय की प्याली थमा दी जाए। पिछले दिनों यह सर्वे हो गया कि भारतीय चुनावों में चाय की भूमिका क्यों बढ़ गई। दरअसल भाजपाइयों ने चाय केवल पी नहीं, बल्कि उसे पिलाया भी बड़े इत्मिनान से। कांग्रेस को कॉफी हाउस से बाहर निकलने की फुर्सत ही नहीं मिली। जिस दिन राहुल गांधी अपनी चाय को पीने लायक बना पाएंगे, पार्टी के आगे किसी की सत्ता नहीं बचेगी। देश चाय पर निवेश करता है। मजदूर से नौकरीपेशा तक, हर कोई चाय पर निवेश कर रहा है। चाय सरल है, इसीलिए इस देश के अधिकांश लोग इसके घूंट के साथ किसी भी बात पर यकीन कर लेते हैं। कॉफी पीने वाले यूं ही अर्बन नक्सल नहीं हुए, वे जो पी रहे हैं, उस तरह से देश महान नहीं बनता। दूसरी ओर चाय पीने वाले देश के लिए यकीन करते हुए इसे 'विश्व गुरु' मानते हैं। प्रयागराज के महाकुंभ पर यकीन न हो तो कॉफी पी लीजिए, वरना वहां हर पहुंचने वाले ने चाय के भरोसे तीर्थ यात्रा कर ली। कुछ न मिले तो चाय पी लीजिए, वरना मिजाज में इसे भर लीजिए।

देश दुनीया से

मजबूत घरेलू मांग की नई अहमियत

यकीनन इस समय जब अमरीकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की टैरिफ मार से बचने के लिए दुनिया के देश अलग-अलग रणनीतियां अपना रहे हैं, ऐसे में ट्रंप के टैरिफ की मार से मुकाबला करने के लिए भारत की मजबूत घरेलू मांग भारत के लिए एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरकर दिखाई दे रही है। निश्चित रूप से इस समय देश के उपभोक्ता बाजारों में तेजी से बढ़ती खपत भारत के लिए ट्रंप के टैरिफ से जंग में मजबूत हथियार है। हाल ही में 27 फरवरी को डेलॉयट इंडिया और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के द्वारा जारी इंडियाज डिस्क्रेशनेरी स्पेंड इवॉल्यूशन रिपोर्ट के मुताबिक भारत का उपभोक्ता बाजार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। भारत के उपभोक्ता बाजार में जो निजी खपत वर्ष 2013 में 87 लाख करोड़ रुपए मूल्य की थी, वह वर्ष 2024 में दोगुनी से भी अधिक 183 लाख करोड़ रुपए से ऊपर निकल गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2026 में भारत तेजी से बढ़ती खपत के कारण दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बन जाएगा। निःसंदेह देश के उपभोक्ता बाजार को देश का मध्यम वर्ग नई आर्थिक ताकत दे रहा है। देश में आर्थिक सुधारों के साथ ऊंची विकास दर और शहरीकरण की ऊंची वृद्धि दर के बलबूते भारत में मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हाल ही में प्रकाशित द राइज ऑफ मिडल क्लास इंडिया नामक डॉक्यूमेंट के मुताबिक भारत के मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या तेजी से बढक़र 2020-21 में लगभग 43 करोड़ हो गई है और 2047 तक यह संख्या बढक़र 102 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इस वर्ग को 5 लाख से 30 लाख रुपए की वार्षिक आय वाले परिवारों के रूप में परिभाषित किया गया है। रिसर्च फर्म कांतार की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2030 तक सालाना 10 हजार डॉलर से अधिक आय वाले भारतीयों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। यह 2024 में लगभग 6 करोड़ थी, जो 2030 तक 16.5 करोड़ होगी। निश्चित रूप से नए टैरिफ युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के बीच भारत का मध्यम वर्ग भारतीय अर्थव्यवस्था की नई शक्ति बन गया है। भारत के मध्यम वर्ग की मुट्ठियों में बढ़ती क्रय शक्ति और जेन जी एवं मिलेनियल्स की आंखों में उपभोग और खुशहाली के जो सपने दिखाई दे रहे, उनके कारण जहां दुनिया के कई देश भारत से आर्थिक और कारोबारी संबंध बढ़ाने के लिए तत्पर हैं, वहीं दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने नामी ब्रांडों के साथ भारत के बहुआयामी उपभोक्ता बाजार में नई रणनीतियों के साथ दस्तक दे रही हैं। वैश्विक खुदरा सेवाओं से जुड़ी कंपनियां भारत में तेजी से पैर पसार रही हैं। प्रौद्योगिकी लेकर परिधान, सौंदर्य, फैशन और मनोरंजन क्षेत्र के दिग्गज ब्रांड अब भारत के बड़े महानगरों से होते हुए टियर-2 और टियर-3 शहरों की तरफ बढ़ चले हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत घरेलू मांग की मजबूती से दुनिया में सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले 10 वर्षों में खपत बढने की दर सबसे अधिक भारत में ही रही है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.2 फीसदी रही है। भारत की यह विकास दर चीन, अमरीका, इंडोनेशिया, ब्राजील जैसे तमाम विकसित व विकासशील देशों की तुलना में अधिक है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 27 फरवरी को वल्र्ड बैंक ने अपनी 'ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स' रिपोर्ट में भारत की अर्थव्यवस्था को निवेश और खपत के मद्देनजर दुनिया की सबसे तेजी से बढने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बताया है। वल्र्ड बैंक के कंट्री डायरेक्टर ऑगस्टे तानो कोउमे ने कहा कि अगर कोई भारत के आर्थिक आंकड़ों से चिंतित है, तो हम कहना चाहेंगे कि चिंता न करें। भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक चमकता सितारा है। भारत सरकार की नीतियों से बढ़ती खपत और बढ़ते निवेश भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। चूंकि घरेलू मांग और खपत भारत की शक्ति है, अतएव निश्चित रूप से एक अप्रैल 2025 से प्रभावी होने वाला वित्त वर्ष 2025-26 का बजट करदाताओं, निवेशकों तथा मध्यम वर्ग की खरीदी की क्षमता बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है। वित्तमंत्री के द्वारा टैक्स में कटौती और टैक्स ढांचे को आसान बनाकर खर्चों और सेविंग्स को बढ़ाने की कोशिश इस बजट में दिखाई दी है। वित्तमंत्री ने मजबूत वित्तीय मुट्ठी से आयकर के नए टैक्स रिजीम की व्यवस्थाओं के तहत करदाताओं को अभूतपूर्व राहतों से लाभान्वित किया गया है। नई टैक्स रिजीम के तहत आयकर स्लैब में बड़ा बदलाव है ताकि अधिक से अधिक करदाता इसे अपनाने के लिए प्रेरित हों। वित्तमंत्री ने नए बजट के तहत न्यू टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव और अतिरिक्त रिबेट की घोषणा की, जिसके तहत 12 लाख रुपए तक की आमदनी पर कोई इनकम टैक्स नहीं देना होगा। निश्चित रूप से इस बजट से सरकार लंबे समय से लंबित मध्यम वर्ग की आर्थिक वित्तीय शिकायतों का समाधान करते हुए आर्थिक वृद्धि की गति को फिर से तेज कर उपयुक्त कर राहत से एक अच्छा आर्थिक चक्र करने की डगर पर आगे बढ़ी हैं। निश्चित रूप से मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम करने से खपत बढ़ेगी। इससे जीएसटी संग्रह में वृद्धि होगी और कर योग्य आय वालों का आधार बढ़ेगा। निःसंदेह इस समय जब ट्रंप के टैरिफ वार की आशंका से दुनिया में बहुत तेजी के साथ आर्थिक और कारोबारी उठापटक चल रही है, तब दुनिया में होते इस बदलाव के मद्देनजर हमें भी भारत के आर्थिक और कारोबारी हितों को सबसे पहले और सबसे ऊपर रखना होगा। इस समय वैश्विक व्यापार नए सिरे से दोबारा स्थापित होने जा रहा है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) अब मुख्य स्तम्भ के रूप में नहीं बचा है और सबसे पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) के दर्जे के तहत गैर-भेदभावपूर्ण शुल्क खत्म हो रहे हैं। हर देश चाहता है कि उसके साथ विशेष व्यवहार किया जाए। हमें उसी रास्ते पर चलना होगा तथा देश की मजबूत घरेलू मांग और मध्यम वर्ग की चमकती हुई क्रय शक्ति का आधार बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों के साथ आर्थिक और कारोबारी संबंधों को नई दिशा देना होगी। निःसंदेह ट्रंप की टैरिफ संबंधी नई चुनौतियों के बीच भारतीय नीति निर्माताओं के द्वारा ट्रंप प्रशासन की नीतियों से भारत पर होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभावों का सतत मूल्यांकन करते हुए मजबूत घरेलू मांग की ताकत के आधार पर रणनीतिक रूप से आगे बढना होगा। चूंकि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और 2047 तक विकसित भारत के लिए 7.8 फीसदी विकास दर पाने का लक्ष्य है, ऐसे में भारत को भारतीय बाजार में तेजी से खपत बढ़ाने की रणनीति के साथ अमरीका से टैरिफ मार के मुकाबले के लिए सुनियोजित रूप से आगे बढना होगा। तभी हम सफल होंगे।

आप का नजरीया

गोलियों के बीच बंबर सिंह

बिलासपुर का गुंडा कौन। एक सवाल जो मुड़-मुड़ कर बिलासपुर से पूछने लगा है कि हे भाई 'यह पूर्व विधायक बंबर ठाकुर पर आक्रमण क्यों हो रहे और इस बार तो गोली ने गहरे जख्मों से पूरे परिवेश को कलंकित किया।' कुछ तो है जो तेरी गली में डाकू आने लगे, वरना इसी राह से तो वो पुजारी जाता है। हो सकता है बंबर ठाकुर किसी सियासी आक्रोश का प्रतीक हो। उनके निजी मसलों में खोट हो, लेकिन कानून व्यवस्था के दर्पण अगर यूं टूटने लगे, तो हिमाचल का चेहरा न जाने कितना विकृत नजर आएगा। विडंबना यह कि होली के दिन अपराध की बारात निकल आई और पिचकारी से गोली निकल आई। यह पहला चित्र नहीं, इससे पूर्व भी युद्ध का मैदान सजा था। वहां कौन लड़ रहा है और हर बार यह बंबर सिंह ठाकुर ही क्यों मिल रहा है। यह कोई गुटीय संघर्ष है या सियासत का नायक अब यूं ही गोलियों के बीच मिलेगा। कम से कम इस गोली कांड ने सैकड़ों तोहमतें बटोर ली हैं और अब चर्चाओं के सदमे रोज मिलेंगे। चर्चाएं कयामत तक पहुंचने लगीं, तो कसूर कहने का नहीं आंखों देखी ने, नफरत के दीये देखे हैं। बिलासपुर की आंखों देखी अब गोलियों के इस षड्यंत्र से डरने लगी। पहले बीबीएन में गोलियों की गलियों से सियासत का प्रभुत्व नाचा और अब सियासत की दौलत में बिलासपुर का अमन चकनाचूर होने लगा है। अपराध नंगे पांव चलकर आ रहा है, लेकिन इसके बीच सियासी चरित्र, सियासी पहचान और सियासत के प्रभाव को हर दौर और हर रुतबे में समझना होगा। आखिर हिमाचल क्यों असामान्य दिखाई देने लगा है और क्यों अपने सामान्य व्यवहार से दूर रहने लगा है। क्या यहां भी सियासत अपने प्रोफेशन से धंधे तक पहुंच गई या तमाम धंधों ने सियासत को पूज लिया। वो रेत-वो बजरी, तेरे महलों ने तो दुकान खोल ली। वो शराब, वो शराबी, तेरे गल्ले ने उसकी जेब लूट ली। कहना न होगा कि हिमाचल में माफिया अब सिर पर चढक़र बोल रहा है। बहुत पहले पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने माफिया के प्रवेश को हर भूमिका में इंगित किया था। अब यह नई सज्जनता है, जिसके पीछे सारा दारोमदार चल रहा है। हिमाचल में जिंदगी के हर पहलू में अगर सियासत रहेगी, तो माफिया हर कदम पे अपना कदम गिनेगा। यह जारी है। देखते ही देखते यह प्रदेश अगर पहाड़ को काटने का हुनर सीख गया, नदी-नालों को छान कर व्यापार सीख गया या चिट्टे की खान में धंधा चला पाया, तो जुर्म की गलबहियों में आर्थिक अपराध बढ़ गए हैं। एक वक्त था जब खच्चरों पर राशन और रेत ढोया जाता था। आज खच्चर के आगे टैक्सी और जेसीबी खड़ी हो गई। यह आर्थिक क्रांति हो सकती है, लेकिन जब इनका संचालन समाज के साथ सियासत करने लगे, तो हर छतरी के नीचे असामान्य राजनीतिक प्रश्रय पैदा हो रहा है। कभी बिकते शराब के ठेके को देखना, कभी सडक़-इमारत के निर्माण से पहले ठेका हासिल करने का तरीका देखना। देखना विकास की उड़ती हुई धूल के नीचे और पीछे कौनसा सियासी पक्ष मजबूती से खड़ा है। इसलिए हिमाचल में राजनीति अब सीधी ठेकेदारी से जुड़ गई है। चाहे कोई भी सत्ता आए, हर विधायक के कुछ कार्यकर्ता ठेकेदार बन जाते हैं। पहले छोटे, फिर बड़े बन जाते हैं।

अमृतसर मंदिर पर ग्रेनेड हमले का आरोपी मुठभेड़ में ढेर, साथी फरार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने दो दिन पहले अमृतसर के मंदिर पर ग्रेनेड हमला करने के आरोपी को सोमवार सुबह खंडखाला इलाके में एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया, जबकि हमले का एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया। बदमाशों की फायरिंग में एक कांस्टेबल घायल हुआ है। पुलिस फरार बदमाश को तलाश कर रही है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि 15 मार्च की रात अमृतसर के ठाकरद्वारा मंदिर पर ग्रेनेड हमला किया गया था। अमृतसर में इस मामले की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू दी। जांच के दौरान एसएचओ छेहर्टा को अपराध में इस्तेमाल की गई बाइक के बारे में एक विश्वसनीय जानकारी मिली थी। इसी आधार पर सीआईए और छेहर्टा पुलिस की टीमों ने आरोपियों को पकड़ने के लिए सोमवार सुबह तड़के खंडवाला में अभियान चलाया। पुलिस ने आरोपियों की बाइक रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने बाइक छोड़कर पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। आरोपियों की इस फायरिंग से एक कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह घायल हो गया। गुरुप्रीत के बाएं हाथ पर गोली लगी। बदमाशों की एक गोली इंस्पेक्टर अमोलक सिंह की पगड़ी में लगी और वे बाल बाल बच गए। एक गोली पुलिस वाहन पर भी लगी। बदमाशों की फायरिंग के जवाब में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश गुरसिदक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसका साथी विशाल मौके से फरार हो गया। मुठभेड़ में घायल बदमाश गुरसिदक और कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान गुरसिदक की मौत हो गई।

केंद्र के बजट में राजस्थान का जिक्र भी नहीं : सचिन पायलट

दौसा (हिंस)। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल पॉडकास्ट करते हैं, लेकिन प्रेस कांफ्रेंस करने से बचते हैं। उन्होंने मणिपुर की स्थिति, चीन की घुसपैठ और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ जैसे मुद्दों पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। पायलट ने भाजपा के *डबल इंजन सरकार* के दावे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के बजट में राजस्थान का कोई जिक्र नहीं किया गया, जबकि यहां भाजपा की सरकार बनी और पार्टी ने सांसद भी जिताए। उन्होंने पूछा कि जब राजस्थान को केंद्र से कुछ नहीं मिला तो फिर डबल इंजन सरकार का क्या फायदा? उन्होंने केंद्र सरकार पर राजस्थान की जनता से नाराजगी निकालने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य सरकार को बजट घोषणाओं को लेकर केंद्र पर दबाव बनाना चाहिए था। पूर्व उपमुख्यमंत्री जयपुर से करौली के तिघरिया गांव जाते समय जीरोता गांव में दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा से मिले। दोपहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पिछले 12-14 महीनों में प्रदेश की सत्ता में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मुख्यमंत्री खुद भी स्थिति को लेकर बोल चुके हैं, लेकिन उनके मंत्री और अफसरशाही हावी होती दिख रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब विपक्ष में है और लगातार सरकार से जवाब मांगती रहेगी। विधानसभा सत्र को लेकर पायलट ने कहा कि सरकार की परफॉर्मेंस सबके सामने है। विधानसभा अध्यक्ष ने कई बार मंत्रियों को बचाने की कोशिश की, लेकिन विपक्ष के सवालों पर सरकार संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई। सत्ता पक्ष के विधायकों के सवालों का भी अधिकांश मंत्री प्रमाण सहित उत्तर नहीं दे सके। उन्होंने सरकार पर तैयारियों की कमी का आरोप लगाते हुए कहा कि सालभर से जो घोषणाएं की जा रही थीं, वे धरातल पर नहीं उतर सकीं। राज्य सरकार के एक साल के कार्यकाल की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले बजट में चार लाख रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन अब तक कितने रोजगार दिए गए, इसका कोई ठोस जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि बैकलॉग नहीं भरा जा रहा, छात्रों को स्कॉलरशिप नहीं मिल रही, यहां तक कि केंद्र सरकार ने भी इस मुद्दे पर पत्र लिखकर राज्य सरकार की विफलता को उजागर किया था। उन्होंने कहा कि विधानसभा में बयानबाजी करना एक बात है, लेकिन सरकार जवाबदेही निभाने में असफल हो रही है। मंत्री सदन में मौजूद नहीं रहते, इस्तीफे की स्थिति बनी हुई है, और सरकार में आंतरिक खींचतान स्पष्ट रूप से दिख रही है। उन्होंने कहा कि चाहे सब इंस्पेक्टर भर्ती हो, पेपर लीक मामला हो या कानून व्यवस्था-हर मोर्चे पर सरकार बैकफुट पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर ही असंतोष की स्थिति है, जो बार-बार सामने आ रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की हालिया बैठक पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन के विस्तार को लेकर कई अहम फैसले लिए गए हैं। नए जिलों में और बड़े जिलों में अध्यक्ष नियुक्त किए जाएंगे, जिससे संगठन को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि 2025 कांग्रेस संगठन का वर्ष रहेगा और मंगलवार को दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिवों की बैठक होगी, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा करेंगे। आने वाले महीनों में बूथ स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक कांग्रेस संगठन को सक्रिय किया जाएगा।

प्रदेश में विकास की नई गाथा लिखेगा बजट : भंसाली

जोधपुर (हिंस)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी सेल और राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के लीड नॉलेज इंस्टीट्यूट की ओर से विकसित राजस्थान 2047: विजन, मिशन व चैलेंजेज विषयक संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन सोमवार को विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति भवन में किया गया। आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने बताया कि उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि शहर विधायक अतुल भंसाली थे। कार्यशाला में मुख्य अतिथि अतुल भंसाली ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राजस्थान बजट 2025-26 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश में विकास की नई गाथा लिखेगा। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर नगर निगम दक्षिण की महापौर वनिता सेठ और जेडीए के पूर्व अध्यक्ष प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़ उपस्थित रहे। वहीं अध्यक्षता विवि के कला संकाय के डीन प्रो. मंगलाराम बिश्नोई ने की।

बीएसएफ ने बॉर्डर पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसी पाकिस्तानी महिला को पकड़ा

महिला ने पाक लौटने से किया मना, कहा, लौटी तो मार दिया जाएगा

जयपुर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने सोमवार सुबह श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में भारत पाकिस्तान सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसी एक पाकिस्तानी महिला को पकड़ा है। विजेता पोस्ट पर सुबह करीब सात बजे तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसी इस पाकिस्तानी महिला को बीएसएफ के जवानों ने तुरंत हिरासत में ले लिया। महिला ने पाकिस्तान वापस जाने से इनकार कर दिया है। महिला का कहना है कि अगर वह पाकिस्तान लौटती है तो उसे मार दिया जाएगा। बीएसएफ के अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। बीएसएफ और पुलिस सूत्रों ने बताया कि महिला के तारबंदी पार कर भारतीय सीमा में घुसकर 50 मीटर अंदर आते ही विजेता चौकी पर तैनात जवानों ने उसे पकड़ लिया। महिला ने अपना नाम हुमारा (32) बताया है। वह बलूचिस्तान के केच जिले के दगरी खान गांव की रहने वाली है। सुरक्षा एजेंसियां मामले की विस्तृत जांच कर रही हैं। एजेंसियां महिला के भारत में घुसपैठ के कारणों के जांच में जुटी हैं। महिला से एक मोबाइल, सोने की बाली, नथ और हाथ में पहना कड़ा बरामद किया है। एजेंसियां महिला के मोबाइल के डाटा को भी खंगाल रही हैं।

चुनाव में किसकी बैंड बजी और किसका गमछा हिला सबने देखा : पटेल

जोधपुर (हिंस)। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कुछ लोगों की आदत होती है बैंड बजाने और गमछा हिलाने की, लेकिन अब सबके सामने स्पष्ट है कि ईंट से ईंट किसकी बजी। उन्होंने राजस्थान, उपचुनावों और अन्य राज्यों के चुनावी परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि किसकी बैंड बजी और किसका गमछा हिला, यह सबके सामने है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में हुए नगर निकाय और पंचायत राज चुनावों के नतीजे भी सबको दिख रहे हैं। यह बात उन्होंने सोमवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई के दौरान मीडिया से बात करते हुए कही। गौरतलब है कि एक दिन पहले जयपुर में कांग्रेस कार्यकारिणी की मीटिंग पर नेता विपक्ष टीकाराम जूली ने कहा था कि

यह मीटिंग भाजपा की बैंड बजाने के लिए बुलाई गई है। इस बयान पर पटेल ने नेता प्रतिपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि सभी को प्रेमभाव से मिलकर देश और प्रदेश के विकास की ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शब्दों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि यह प्रदेश की संस्कृति नहीं है कि मुख्यमंत्री अपने ही उपमुख्यमंत्री या प्रदेश अध्यक्ष के लिए अनुचित भाषा का प्रयोग करें। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि पांच साल तक होटलों में रहने और कुर्सी की खींचतान के बावजूद कोई नेता अपने धरातल को नहीं पहचान सका, तो यह उनकी समस्या है। सरकार का एकमात्र ध्येय आमजन और राजस्थान का विकास है, जिससे प्रदेश समृद्ध और विकसित बन सके। उन्होंने राजस्थान सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लगातार दो बार ऐतिहासिक बजट दिया है, जिसका परिणाम है कि प्रदेश के ग्रामवासी बड़ी संख्या में आकर आभार व्यक्त कर रहे हैं।

फोन टैप की स्पीड से ज्यादा तेज दौड़ता हूं, मुद्दों को मरने नहीं दूंगा : किरोड़ी

अलवर (हिंस)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने सोमवार को कहा कि मैं फोन टैप की स्पीड से ज्यादा तेज दौड़ता हूं। मैंने तय कर लिया है कि मेवात और नॉन मेवात में घूम जाऊंगा। सब असलियत पता लगाऊंगा। मैं हमेशा अपनी बात सरकार तक पहुंचाता रहा हूं और आगे भी ऐसा करूंगा। मेरे लिए कोई लक्ष्मण रेखा नहीं है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा सोमवार को अलवर दौरे पर रहे। पिछली सरकार और वर्तमान के कुछ लोगों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कुछ छुटभैये गोरखधंधा कर रहे हैं, जिससे अलवर शहर त्रस्त है। दौरे के दौरान मंत्री ने नौगांवा के ग्रामीणों से भी मुलाकात की। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व एसएचओ और पुलिसकर्मी उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। पुलिस आए दिन घरों से युवकों को उठा लेती है। कुछ दलाल बिचौलिए के रूप में सक्रिय हैं जो सौदेबाजी कर पुलिस तक रुपए पहुंचाते हैं और फिर युवकों को छुड़वा लेते हैं। अब मुद्दों को मरने नहीं दिया जाएगा। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने पेपर लीक मामले में कहा कि पिछली सरकार में 18 में से 17 पेपर लीक हुए, लेकिन सरकार कुंडली मारकर बैठी रही। उन्होंने बताया कि अब तक 50 सब-इंस्पेक्टर समेत 35 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि पेपर रद्द हो और राजस्थान में कोई फर्जी पुलिसकर्मी न बने।

पूंजीवादी पार्टियां बसपा को कमजोर करने में लगी हैं : मायावती

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को अपने आवास पर प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि अपने जीते जी अपने भाई-बहन और रिश्ते-नातों के स्वार्थ में पार्टी को कभी भी कमजोर नहीं पड़ने दूंगी। वैसे भी मेरे लिए भाई-बहन और रिश्ते-नाते केवल बसपा का ही एक अंग है, उसके सिवाय कुछ भी नहीं। पार्टी के हित में बहुजन समाज के लोग अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करते हैं तो उन्हें पार्टी में जरूर आगे बढ़ने का मौका दिया जाएगा। इस मामले में कभी मेरे रिश्ते-नाते आड़े नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि सावधानी तौर पर यह भी बताना चाहूंगी कि पिछले कुछ सालों से सत्ता व विपक्ष में बैठी सभी जातिवादी, सांप्रदायिक व पूंजीवादी पार्टियां बसपा के विरुद्ध अंदर ही अंदर इसे बसपा को कमजोर करने की पूरी कोशिश में लगी हैं। यह प्रयास बाबा साहब के जीते जी भी किया गया गया था। लेकिन बाबा साहब और उनके बाद कांशीराम ने इनके मंसूबों को पूरा नहीं होने दिया है। मैं भी अपने बहुजन समाज के बलबूते पर इनके इस मंसूबों को पूरा नहीं होने दूंगी। यह मेरा पार्टी के लोगों को पूरा वायदा है। उन्होंने यह भी अपील की कि बसपा के लोग ऐसे लोगों से सचेत रहें। बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि पिछले कुछ समय से वक्फ बिल पर भी सत्ता व विपक्ष द्वारा जो राजनीति की जा रही है तो यह अति चिंता की बात है। यह मामला समय रहते सहमति से सुलझा लिया जाता तो यह ज्यादा बेहतर होता। केंद्र सरकार इस मामले में जरूर पून: सोच विचार करे, जबकि जातिवादी पार्टियां बसपा को कमजोर करने में लगी हैं। उनके साजिश और मंसूबों को पूरा नहीं होने दूंगी। बहुजन समाज मेरे साथ खड़ा है और पार्टी अकेले चुनाव लड़ने में भी सक्षम है।

हर हरियाणवी की आकांक्षाओं को पूरा करेगा नायब का नायाब बजट : धनखड़

झज्जर (हिंस)। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व विधानसभा चुनाव में पार्टी संकल्प पत्र प्रमुख रहे ओमप्रकाश धनखड़ ने राज्य सरकार के वार्षिक बजट की प्रशंसा की है। सोमवार को उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री का दायित्व संभाल रहे नायब सिंह सैनी अपने पहले बजट में हर हरियाणवी की आकांक्षाओं पर खरे उतरे हैं। संकल्प पत्र में किए गए वादों को बजटीय प्रावधान के साथ पूरा कर रहे हैं। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के बजटीय भाषण के अनुसार उन्होंने कुल 217 वादे किए थे। इनमें में से 19 वादे पूरे कर दिए हैं, 14 पर कार्य चल रहा है और 90 वादों के लिए इस बजट में प्रावधान कर दिया। महिलाओं को 2100 रुपए प्रति माह देने के लिए पांच हजार करोड़ का प्रावधान बजट किया है। धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस चुनाव के समय बिना बजट का हिसाब किताब लगाए खटाखट वाली घोषणा करती है। भाजपा की यही विशेषता है कि हम जो कहते हैं, वह पूरा करते हैं। पीएम मोदी जी के कुशल और सशक्त नेतृत्व की यही पहचान है जो बोला वो पूरा किया। धनखड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बजट में नवाचार, तकनीक, रोजगार और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से भविष्य की जरूरतों को आधार मानकर बजटीय प्रावधान किए हैं। खेती-किसानी, खेल-खिलाड़ी, पशुपालन, बागवानी, शिक्षा, मेडिकल और तकनीकी उच्च शिक्षा आदि पर फोकस किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि प्राकृतिक और बागवानी की खेती को और ज्यादा प्रोत्साहित करना सराहनीय है।

छात्राएं स्वयं को समझकर अपना लक्ष्य निर्धारित करें : सुग्रीव सिंह

प्रयागराज (हिंस)। छात्राओं को स्वयं के बारे में एवं नौकरी के बारे में समझने के उपरान्त ही अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। लक्ष्य के प्रति तत्पर रहने की जरूरत है, जबतक कि लक्ष्य की पूर्ति न हो जाए। प्रत्येक छात्राओं को अपने ऐटीट्यूड, बॉडी लैंग्वेज में सुधार के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से अध्ययन करने की जरूरत है। उक्त विचार मुख्य अतिथि एवं प्रसिद्ध कॅरियर काउंसलर सुग्रीव सिंह ने आर्य कन्या पीजी कॉलेज में छात्राओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किया। सोमवार को मॉडल कॅरियर सेन्टर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कॅरियर काउंसिलिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने छात्राओं को जीवन में सफलता का रहस्य-ईमानदारी के साथ कठिन परिश्रम को बताया। प्राचार्या प्रोफेसर अर्चना पाठक ने अपने उद्बोधन में छात्राओं के जिज्ञासु होने के साथ समय एवं श्रम के प्रबन्धन पर जोर दिया। यूजी व पीजी स्तर पर लक्ष्य निर्धारण एवं उस दिशा में कार्य हेतु निरन्तर तत्पर रहने की आवश्यकता है। अभिषेक श्रीवास्तव ने प्रकृति के अनुरूप चलकर विकास की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की चीफ प्रॉक्टर डॉ. रंजना त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनुपमा सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ. ममता गुप्ता, प्रोफेसर ईभा सिरोठिया, प्रोफेसर अन्जू श्रीवास्तव, प्रोफेसर निलांजना जैन, डॉ. अमित पाण्डेय, डॉ. सव्य सांची, डॉ. निशा खन्ना एवं यूजी व पीजी की छात्राएं उपस्थित रहीं।

योगी सरकार की नई पहल से अब सरकारी स्कूल देंगे निजी स्कूलों को टक्कर

ग्रेटर नोएडा (हिंस)। योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों को आधुनिक शिक्षा केंद्रों में बदलने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। ऑपरेशन कायाकल्प योजना के तहत अब परिषदीय विद्यालय सिर्फ स्कूल नहीं, बल्कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त समावेशी शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। इसी कड़ी में ग्रेटर नोएडा के मथुरापुर में 1.30 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित हाईटेक विद्यालय का उद्घाटन 19 मार्च को किया जाएगा। इस ऐतिहासिक पहल का शुभारंभ प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह करेंगे। योगी सरकार की प्राथमिकता केवल अधिक विद्यालय खोलना नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल बोर्ड, प्रयोगशालाएं, समावेशी शिक्षा सुविधाएं और स्वच्छता व स्वास्थ्य प्रबंधन को विशेष रूप से शामिल किया गया है। वर्तमान में इस विद्यालय में 90 छात्र अध्ययनरत हैं, लेकिन सरकार का लक्ष्य

आगामी सत्र में 150 से अधिक बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। योगी सरकार की इस पहल से अब सरकारी विद्यालय भी निजी स्कूलों की तरह उच्चस्तरीय सुविधाओं से लैस हो रहे हैं, जिससे छात्रों को समान अवसर मिल सकें। इस नवनिर्मित विद्यालय में छात्रों की शिक्षा को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए स्मार्ट क्लासरूम की सुविधा दी गई है, जहां प्रत्येक कक्षा में डिजिटल बोर्ड और स्मार्ट लर्निंग टूल्स लगाए गए हैं। शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छता और स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा गया है। छात्रों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था आरओ और वाटर फिल्टर के माध्यम से की गई है, वहीं छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए गए हैं, जिससे स्वच्छता और सुविधा दोनों सुनिश्चित हो सकें। विद्यालय में सुरक्षा के भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हर कक्षा में दो दरवाजे बनाए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में छात्रों को आसानी से निकाला जा सके। मिड-डे मील के लिए भी अलग से एक भवन तैयार किया गया है, जहां छात्र आराम से बैठकर भोजन कर सकेंगे। योगी सरकार समावेशी शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष सुविधाएं विकसित कर रही है। इस विद्यालय को *दिव्यांग अनुकूल विद्यालय* के रूप में विकसित किया गया है, जिससे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को बिना किसी बाधा के शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सके। विद्यालय परिसर में दिव्यांग छात्रों की सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए रैंप और रेलिंग सहित विशेष सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यालय में विशेष रूप से प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है, जो दिव्यांग छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शिक्षण प्रदान करेंगे। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सबका साथ, सबका विकास नीति के तहत शिक्षा को हर बच्चे तक समान रूप से पहुंचाने की योजना बनाई गई है। दिव्यांग छात्रों को भी मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के लिए परिषदीय विद्यालयों में नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। मथुरापुर का यह विद्यालय इसी नीति का एक उदाहरण है। यहां दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष रैंप, समावेशी कक्षाएं और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं, ताकि वे बिना किसी बाधा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें।

होटल में थूक लगाकर रोटी बनाने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद (हिंस)। थाना मुरादनगर क्षेत्र में एक होटल में युवक द्वारा थूक लगाकर रोटी बनाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी लिपि नगायच ने बताया कि थाना मुरादनगर पर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के संबंध में एक तहरीर प्राप्त हुई। तहरीर के अनुसार नाज होटल मुरादनगर पर एक व्यक्ति रोटियों पर थूक लगाते हुए नजर आ रहा है। इस सूचना पर सुसंगत धाराओं में तत्काल एक अभियोग पंजीकृत किया गया एवं इशरार नामक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

अपराधी पर लगाम लगाने के लिए पुलिस को खुली छूट, अधिकारियों ने गोली चलाने का दिया निर्देश

पटना (हिंस)। बिहार के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर और एडीजी हेडक्वार्टर ने पुलिस मुख्यालय में आज पत्रकार वार्ता में कहा कि बिहार में अब तक जितनी भी घटनाएं हुई है पुलिस ने सभी घटनाओं में कार्रवाई की है। कई जगहों पर हमारे पुलिस टीम पर अटैक हुआ है उसके खिलाफ भी पुलिस ने कठोर कार्रवाई की है। एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन ने कहा कि यदि कोई अपराधी पुलिस को कट्टा (देसी पिस्तौल) दिखाता है, तो पुलिस को उसे चुनौती देने के बजाए गोली चलाने का अधिकार होगा। इस मौके पर एडीजी लॉ एंड ऑर्डर पंकज दराद ने कहा कि अगर पुलिस पर कोई अटैक किया तो पुलिस गोली चलाएगी हवाई फायर करेगी अगर लगेगा कि यह जानलेवा है तो उनको भी पुलिस गोली मारेगी। इस बात से किसी भी पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी को गुरेज नहीं है हम लोगों को संयम बरतना है या हमारे प्रथम प्राथमिकता रही है और रहेगी। दोनो अधिकारी ने कहा कि होली पर्व के क्रम में पुलिस की प्राथमिकता रहती है कि राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे तथा कहीं से कोई ऐसी अप्रिय घटना ना हो जिससे सांप्रदायिक समरसता प्रभावित ना हो।

इस वर्ष होली पर्व पर दो भिन्न समुदायों के बीच कुल-11 सामान्य घटनाएं प्रतिवेदित हुई हैं। कहीं कोई विधि-व्यवस्था की गंभीर समस्या नहीं उत्पन्न हुई। कुल-11 कांड अंकित किए गए। इन घटनाओं में कुल 14 लोग जख्मी हुए हैं। किसी की मृत्यु नहीं हुई। 29 व्यक्तियों को अभी तक गिरफ्तार किया गया है। 04 को डिटेन किया गया है। दोनों अधिकारी ने कहा कि एक ही समुदाय के दो जातियों के बीच दो घटनाएं प्रतिवेदित हुए हैं। जिनमें 26 लोग जख्मी हुए हैं। 03 व्यक्ति को अभी तक हिरासत में लिया गया है। इस दौरान पुलिस पर हमले की कुल-12 घटनाएं प्रतिवेदित हुई है। इन घटनाओं में दुर्भाग्यवश हमारे 02 सअनि शहीद हो गए हैं और 27 पुलिसकर्मियों के जख्मी होने की सूचना है। हम इन घटनाओं को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। जिन्होंने भी पुलिस पर हमले किए हैं उनके विरुद्ध कठोर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

छह सूत्री मांगो लेकर जदयू कार्यकर्ताओं का आमरण अनशन

भागलपुर (हिंस)। जिले के बिहपुर प्रखंड जदयू एसी/एसटी प्रकोष्ठ ने सोमवार से छह सूत्री मांगो लेकर बिहपुर प्रखंड मुख्यालय के समक्ष आमरण-अनशन शुरू किया। आमरण अनशन में प्रखंड अध्यक्ष विजय पासवान के साथ साथ राजनीति तांती, रामानंद पोद्दार, लतासो देवी, श्रीनंदन रविदास और प्रमिला देवी ने शामिल थे। वहीं प्रखंड के हरियो पंचायत के गोविंदपुर-मुसहरी और कहारपुर के कोसी कटाव पीड़ित व विस्थापितों के पुर्नवास कराने की मांग को बिहपुर विस विधायक ई शैलेंद्र ने सोमवार को बिहार विस के सदन में सरकार और संबधित विभाग के मंत्री के समक्ष उठाया। विधयक शैलेंद्र की मांग पर मंत्री की ओर से जल्द ही साकारात्मक पहल करने की बात कही गई, जिसके बात विधायक ने अनशन कर रहे जदयू नेताओं और कटाव विस्थापितों से फोन पर बात किया। नवगछिया

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष प्रो. गौतम के नेतृत्व में बिहपुर मंडल अध्यक्ष दिलीप महतो, परमानंद मंडल, कन्हैया झा आदि अनशन पर बैठे लोगों को जूस पिलाकर उनका अनशन तोड़वाया। मौके पर सिंटू और सदानंद मंडल समेत एनडीए के कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इस दौरान करीब सौ की संख्या में कटाव विस्थापित महादलित परिवार भी अनशन स्थल पर थे। इनकी मांग थी कि महादलित, दलित और अति पिछड़ा को पांच डिसमील जमीन देकर उनका पुर्नवास कराया जाय। गोविंदपुर : मुसहरी और कहारपुर के कोसी कटाव पीडितों को अविलंब जमीन दिया जाए। पीएम आवास योजना की सूची में गरीब व महादलित का नाम आगे किया जाय। प्रखंड में जीविका उमंग सीएलएफ कार्यालय के अध्यक्ष और सचिव समेत कोषाध्यक्ष को बदला जाय। जदयू के कार्यकर्ता से प्रखंड सह अंचल कार्यालय में अधिकारी शिष्टाचार से बात करें और सोनवर्षा दुमुंही चौक से लेकर बीरबन्ना चौक तक 14 नंबर सड़क को बनाया जाए।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,660 रुपये से लेकर 89,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 82,190 रुपये से लेकर 82,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी 1,02,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 89,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कच्चे तेल का आयात दिसंबर में 11 फीसदी घटा, रूस और सऊदी से कम हुई सप्लाई

नई दिल्ली। पिछले साल दिसंबर में भारत ने रूस, सऊदी अरब और कुवैत जैसे पश्चिमी एशियाई आपूर्तिकर्ताओं से कच्चे तेल की आयात में दर्जनों फीसदी की कमी देखी है। वाणिज्य विभाग के अनुसार रूस से कच्चे तेल की आयात में 18.48 फीसदी गिरावट आई है, जो दिसंबर 2023 के मुकाबले 3.92 अरब डॉलर कम है। साथ ही, सऊदी अरब और कुवैत से भी आयात में 43.1 और 38 फीसदी की कमी देखी गई है। दिसंबर से पहले रूस से कच्चे तेल की आवक नवंबर, अक्टूबर और सितंबर में क्रमशः 8 फीसदी, 53 फीसदी और 34.2 फीसदी बढ़ी। बड़ी घरेलू रिफाइनरीज में रखरखाव के काम के कारण योजनाबद्ध तरीके से बंदी की वजह से अगस्त में आयात घटा था। ब्रेंट क्रूड की कीमत दिसंबर 2023 की तुलना में दिसंबर 2024 में 4.57 डॉलर प्रति बैरल कम थी। रूस से कच्चे तेल के आयात में कमी न सिर्फ कम कीमत की वजह से है, बल्कि आंकड़ों से पता चलता है कि मात्रा के हिसाब से भी आयात में 12.3 फीसदी की गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों ने पहले कहा था कि रूस में ज्यादा घरेलू मांग की वजह से तेल निर्यात घटा है क्योंकि रखरखाव का काम पूरा होने के बाद ज्यादातर रूस की रिफाइनरियां कामकाज शुरू कर रही हैं। हालांकि कीमत छूट में कमी की भी इसमें भूमिका हो सकती है। आयात के अन्य बड़े स्रोतों सऊदी अरब और कुवैत ने भी क्रमशः 43.1 फीसदी और 38 फीसदी कम तेल भेजा है। इन दो देशों से मात्रा के हिसाब से भी तेल आयात में क्रमशः 36.4 फीसदी और 33.6 फीसदी गिरावट आई है। दोनों देशों से कुल तेल निर्यात में गिरावट के कारण ऐसा हुआ।

रिलायंस जियो ने आईपीएल सीजन के लिए दिया बड़ा ऑफर, 90 दिन तक जमकर चलाएं हॉटस्टार

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने आईपीएल सीजन में क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा ऑफर पेश किया है। कंपनी ने कहा है कि जियो का सिम चलाने वाले ग्राहकों को 90 दिन तक हॉटस्टार देखने का मौका मिलेगा, बिना कोई अतिरिक्त पैसा खर्च किए। इसके साथ ही जियो ने जियोफाइबर और एयरफाइबर का भी निःशुल्क ट्रायल ऑफर दिया है। यह ऑफर 17 मार्च से 31 मार्च तक उपलब्ध होगा। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को 299 रुपये या इससे अधिक का रिचार्ज कराना होगा। निर्देशन और शर्तें लागू होंगी। जियोहॉटस्टार का पैक 22 मार्च से एक्टिवेट होगा और 90 दिनों के लिए लागू रहेगा। इस ऑफर की जानकारी के लिए ग्राहकों को आधिकारिक वेबसाइट पर जांच करनी चाहिए। ऑफर का लाभ उठाने के लिए मौजूदा जियो सिम यूजर को कम से कम 299 रुपये वाला रिचार्ज कराना होगा। वहीं नए जियो सिम ग्राहकों को भी 299 रुपये या उससे ज्यादा के प्लान वाला नया जियो सिम लेना होगा। जिन ग्राहकों ने 17 मार्च से पहले रिचार्ज करा लिया है, वे भी 100 रुपये का ऐड-ऑन पैक लेकर ऑफर का लाभ ले सकेंगे। प्लान के साथ 1.5 जीबी डाटा भी प्रतिदिन मिलेगा। जियो हॉटस्टार का पैक 22 मार्च से एक्टिवेट होगा, जो 90 दिनों के लिए लागू रहेगा।

अदाणी समूह का 2026 में 1.1 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य, ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा कारोबारों में खर्च करेगी यह राशि

नई दिल्ली। देश के शीर्ष उद्योग समूहों में शामिल अदाणी समूह ने वित्त वर्ष 2026 में 1.1 लाख करोड़ रुपये निवेश करने का लक्ष्य रखा है। समूह मुख्य रूप से अपने प्रमुख ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा कारोबारों में यह रकम लगाएगी। चालू वित्त वर्ष में समूह ने पूंजीगत व्यय पर लगभग 92,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार अगले वित्त वर्ष में होने वाले कुल पूंजीगत व्यय में 60,000 करोड़ रुपये का इंतजाम आंतरिक स्रोतों से किया जाएगा और शेष रकम शेयर एवं बॉन्ड जारी कर जुटाई जाएगी। वित्त वर्ष 2025 में समूह दीर्घ अवधि के लिए उधार ली जाने वाली रकम पर ब्याज आदि में औसत खर्च 10.4 प्रतिशत से घटाकर 8.1 प्रतिशत करने में सफल रहा है। इससे समूह को सालाना 4,000 करोड़ रुपये बचत हुई है। समूह को उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों के दौरान उसे लागत इसी तरह कम रखने में कोई परेशानी पेश नहीं आएगी और नई उधारी पर पूंजी लागत 75 से 100 आधार अंक कम रह सकती है।

दूरसंचार विभाग ने लॉन्च किया 5जी हैकाथॉन, विजेता को मिलेंगे पांच लाख रुपये

नई दिल्ली

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025 की घोषणा की है। यह छह महीने तक चलेगा, जिसका उद्देश्य सामाजिक और औद्योगिक चुनौतियों के समाधान के लिए अभिनव 5जी-संचालित समाधानों के विकास में तेजी लाना है। यह छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए खुली है। इसमें विजेता को 5 लाख रुपये तक का प्रथम पुरस्कार मिलेगा।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि ये हैकथॉन एआई-संचालित नेटवर्क के रखरखाव, आईओटी-सक्षम समाधान, 5जी प्रसारण, कृषि, स्मार्ट स्वास्थ्य, औद्योगिक स्वचालन, गैर-स्थलीय नेटवर्क, डी2एम, वी2एक्स और क्वांटम संचार जैसे प्रमुख 5जी अनुप्रयोगों पर केंद्रित प्रस्ताव को आमंत्रित करता है। छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम मेंटरशिप, फंडिंग और 100 से अधिक 5जी यूज केस लैब्स तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे प्रतिभागियों को दूरदर्शी विचारों को तकनीक में बदलने में मदद मिलती है। मंत्रालय के मुताबिक इसके लिए 15 मार्च से लेकर 15 अप्रैल 2025 तक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे, 01 अक्टूबर 2025 को अंतिम विजेताओं की घोषणा की जाएगी और हर दो सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट और एक केंद्रीकृत ट्रैकिंग डैशबोर्ड के माध्यम से कार्यक्रम के लक्ष्यों को पूरा किया जाएगा। इसके तहत प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए नेटवर्क स्लाइसिंग, सेवा की गुणवत्ता और कॉल-फ्लो परिदृश्यों जैसी 5जी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हैकथॉन प्रतिभागियों को अपने नवाचारों को अगले स्तर तक ले जाने में मदद करने के लिए कई तरह की सहायता प्रदान करता है। प्रतिभागियों को अपनी आईपी संपत्तियों के व्यावसायीकरण के लिए आईपीआर फाइलिंग में सहायता मिलेगी। संचार मंत्रालय के मुताबिक विजेताओं को प्रथम स्थान के लिए पांच लाख रुपये, उप-विजेता के लिए 3 लाख रुपये और दूसरे स्थान के लिए 1,50,000 रुपये के पुरस्कार मिलेंगे। इसके साथ ही सर्वश्रेष्ठ विचार और सबसे नवीन प्रोटोटाइप को 50-50 हजार रुपये के पुस्कार भी मिलेंगे। इसके अलावा 10 प्रयोगशालाओं को सर्वश्रेष्ठ 5जी यूज केस लैब्स के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र और सर्वश्रेष्ठ विचार के लिए एक प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का बजट 1.5 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य 50 से अधिक स्केलेबल 5जी प्रोटोटाइप विकसित करना, 25 से अधिक पेटेंट तैयार करना, शिक्षा, उद्योग जगत और सरकार के बीच सहयोग को मजबूत करना और स्टार्टअप के लिए सहायता प्रदान करना है। 5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025 को सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देकर 5जी तकनीक की परिवर्तनकारी क्षमता के उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह हैकाथॉन, 5जी नवाचार में अग्रणी होने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

जनवरी के मुकाबले फरवरी में थोक महंगाई दर में 0.07 फीसदी बढ़कर 2.38 फीसदी हुई

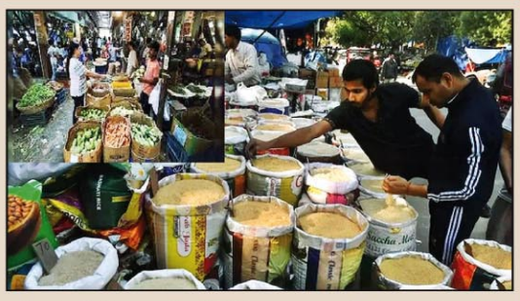

नई दिल्ली। फरवरी में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर 2.38 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने जनवरी में यह 2.31 फीसदी थी। फरवरी, 2025 में थोक महंगाई दर में वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं और कपड़ा आदि के मूल्यों में बढ़ोत्तरी के कारण है। पिछले महीने जनवरी में यह 2.31 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि विनिर्मित खाद्य उत्पादों की महंगाई फरवरी में बढ़कर 11.06 फीसदी हो गई, वनस्पति तेल में 33.59 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि पेय पदार्थों की महंगाई इस दौरान मामूली रूप से बढ़कर 1.66 फीसदी हो गई। हालांकि, सब्जियों की कीमतों में नरमी आई और आलू की महंगाई 74.28 फीसदी से घटकर 27.54 फीसदी पर आ गई है। इसके अलावा ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई में फरवरी में 0.71 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि पिछले महीने जनवरी में इसमें 2.78 फीसदी की गिरावट आई थी। फरवरी महीने में खुदरा महंगाई दर दाल और सब्जियों के सस्ती होने की वजह से घटकर सात महीने के निचले स्तर 3.61 फीसदी पर आ गई है, जो जनवरी महीने में 4.31 फीसदी थी।

भारत से स्मार्टफोन निर्यात वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड स्तर पर

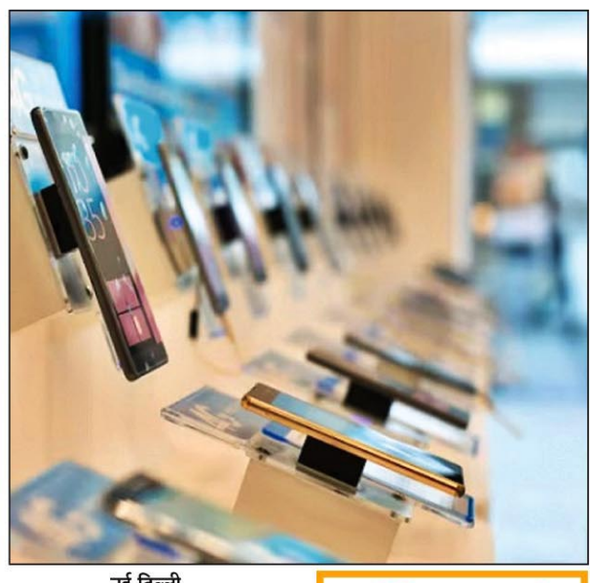

नई दिल्ली

भारत से तकनीकी उत्पादों की निर्यात में एक नया इतिहास रच दिया गया है, जैसे कि स्मार्टफोन निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 11 महीनों में 1.75 लाख करोड़ (21 अरब डॉलर) के साथ एक नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इस आंकड़े से स्वतंत्र अनुमानों को भी मात देने वाले हैं।

वित्त वर्ष के अब तक के आंकड़ों के अनुसार, देश ने इस स्थिति को एक साफ संकेत के रूप में देखा है कि उत्पादन और निर्यात मोबाइल फोन क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहे हैं।

स्मार्टफोन निर्यात में एप्पल का महत्वपूर्ण योगदान भी बताया गया है, जिसमें आईफोन का योगदान लगभग 70 फीसदी रहा है। भारत सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के मुताबिक यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों से 54 फीसदी अधिक है। समृद्धि के माध्यम से देश ने पहचान बनाने के लिए नए दरवाजे खोल दिए हैं और उत्पादन के क्षेत्र में नए संभावित अवसरों का पूरा फायदा उठाने की प्रेरणा मिली है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में स्मार्टफोन निर्यात में एक और उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही की तुलना में 30 फीसदी अधिक है। इस स्मार्टफोन क्षेत्र में नए आंकड़ों और रिकॉर्डों के साथ, भारत ने एक बेमिसाल कामयाबी दर्ज की है। इसमें अमेरिका और यूरोप के समृद्ध विकसित बाजारों के लिए उसकी मान्यता का प्रमाण मिला है। स्मार्टफोन उत्पादन और निर्यात में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका एक सफर की शुरुआत करती है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में और भी अधिक उत्साह और मिलानबद्धता लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। देश ने इस स्थिति में अपने भविष्य के लिए एक मजबूत और विश्वसनीय प्रस्तावक प्रदर्शित किया है।

अमेरिका बना सबसे बड़ा खरीदार

एचसीसी-टाटा प्रोजेक्ट्स को 2,191 करोड़ का ठेका मिला

हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी ने टाटा प्रोजेक्ट्स के साथ साझेदारी में मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) से 2,191 करोड़ रुपये का ठेका प्राप्त किया है। कंपनी ने कहा कि 2,191 करोड़ रुपये का यह ठेका एमपीएमआरसीएल के लिए भूमिगत सुरंगों और स्टेशनों सहित 8.65 किलोमीटर लंबे गलियारे के निर्माण के लिए है। संयुक्त उद्यम में एचसीसी की 55 फीसदी हिस्सेदारी है।

मारुति सुजुकी अप्रैल से वाहनों की कीमत में 4 फीसदी तक का करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने अप्रैल से अपने वाहनों की कीमतों में चार फीसदी तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह कच्चे माल की बढ़ती लागत के असर को कम करने के लिए यह वृद्धि करेगी, जो मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी।

मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को शेयर बाजार को नियामक फाइलिंग में बताया कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और परिचालन व्यय के मद्देनजर उसने अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है।

कंपनी ने कहा कि वह अपने वाहनों की कीमतों में चार फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। मारुति सुजुकी घरेलू बाजार में शुरुआती स्तर की ऑल्टो के-10 से लेकर इनविक्टो तक के मॉडल को बेचती है। एमएसआईएल ने पिछले साल दिसंबर, 2024 में अपने वाहनों की कीमतों में 4 फीसदी की वृद्धि की थी, जो जनवरी 2025 में लागू हुआ था। इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया ने अलग-अलग मॉडल की कीमतों में 1,500 रुपये से लेकर 32,500 रुपये तक की बढ़ोतरी की थी।

उल्लेखनीय है कि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड वर्तमान में भारत से सालाना तीन लाख वाहनों का निर्यात कर रही है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ में 16 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 3,206.8 करोड़ रुपये की तुलना में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 3,727 करोड़ रुपये रहा था।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार खरीदारी होती रही। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर मजबूती बनी हुई है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक जोरदार उछाल के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 674.62 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 41,488.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 117.42 अंक यानी 2.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,638.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 451.07 अंक यानी 2.61 प्रतिशत उछल कर 17,754.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 184.06 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,304.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,632.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.12 प्रतिशत उछल कर 8,028.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 419.68 अंक यानी 1.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,986.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.60 प्रतिशत टूट कर 1,166.73 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.77 प्रतिशत लुढ़क कर 6,465.75 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 203.50 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,622 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.80 प्रतिशत उछल कर 3,866.83 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,608.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 485.59 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,538.69 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 294.41 अंक यानी 1.23 प्रतिशत उछल कर 24,254.39 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 251.01 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,219.06 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,429.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर जीता इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब

नई दिल्ली

रायपुर में रविवार रात खेले गए इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण के फाइनल में भारत ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के लिए अंबाती रायुडू ने 50 गेंदों में 74 रनों की शानदार पारी खेली और टीम को 149 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें पहले सचिन तेंदुलकर और फिर गुरकीरत सिंह मान व युवराज सिंह का साथ मिला। रायुडू ने पूरे मैदान में बेहतरीन शॉट लगाए, जबकि तेंदुलकर ने स्ट्राइक रोटेट करते हुए एक शानदार अपर कट खेलकर छक्का जमाया। हालांकि, उनकी पारी ज्यादा लंबी नहीं चली और टीनो बेस्ट ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। इसके बाद, रायुडू और गुरकीरत ने पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि, भारत ने जल्दी-जल्दी तीन विकेट गंवाए, लेकिन युवराज सिंह और स्टुअर्ट बिन्नी ने 18वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले, वेस्टइंडीज के लिए ड्वेन स्मिथ ने 35 गेंदों में 45 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, लेकिन उन्हें कप्तान ब्रायन लारा और विलियम पर्किन्स का अधिक सहयोग नहीं मिला। भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को रन बनाने में कठिनाई दी। लेंडल सिमंस ने 41 गेंदों में 57 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली और टीम को 150 के करीब पहुंचाया, लेकिन यह स्कोर भारत को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश को पीसीबी ने भेजा कानूनी नोटिस

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के 30 वर्षीय ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने

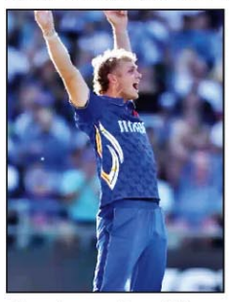

अनुबंध उल्लंघन के मामले में कानूनी नोटिस भेजा है। बॉश ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) 2025 से अपना नाम वापस ले लिया था, जिसके बाद यह कदम उठाया। आईपीएल में चयन के बाद पीसीएल से हटे बॉश कॉर्बिन बॉश को आगामी आईपीएल 2025 के लिए मुंबई इंडियंस ने लिज़ाड विलियम्स की जगह टीम में शामिल किया है। लिज़ाड विलियम्स चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बॉश पहले पीसीएल 2025 में पेशावर ज़ल्मी के लिए खेल रहे थे, लेकिन आईपीएल में अवसर मिलने के बाद उन्होंने पीसीएल से नाम वापस ले लिया। पीसीबी का आधिकारिक बयान पीसीबी ने रविवार को जारी किए गए बयान में कहा, खिलाड़ी को उसके एजेंट के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजा गया है और उससे अनुबंधित प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने की वजह स्पष्ट करने के लिए कहा गया है। पीसीबी ने यह भी स्पष्ट किया कि बॉश के इस कदम से लीग पर क्या असर पड़ेगा, यह भी नोटिस में उल्लेख किया गया है। बोर्ड ने यह भी कहा कि पीसीबी निर्धारित समय के भीतर खिलाड़ी की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा करेगा और फिलहाल इस मामले पर कोई और टिप्पणी नहीं करेगा। पीएसएल और आईपीएल की तारीखें गौरतलब है कि पीएसएल 2025 का आयोजन 11 अप्रैल से 25 मई तक होगा, जबकि आईपीएल 2025, 22 मार्च से 25 मई तक चलेगा। दोनों लीग के कार्यक्रम आपस में टकरा रहे हैं, जिससे कई खिलाड़ियों के चयन को लेकर विवाद की स्थिति बन रही है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने उमरान मलिक के स्थान पर चेतन सकारिया को किया साइन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया को उमरान मलिक के स्थान पर टीम में शामिल किया है। उमरान मलिक, जिन्हें गत चैंपियन टीम ने 75 लाख रुपये में खरीदा था, एक अज्ञात चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। 27 वर्षीय चेतन सकारिया को केकेआर ने पिछले सीजन में भी टीम में शामिल किया था, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके बाद, वह पिछले साल हुई मेगा नीलामी में नहीं बिक सके थे। हालांकि, अब उन्हें बतौर रिप्लेसमेंट खिलाड़ी 75 लाख रुपये में टीम में जगह मिली है। सकारिया ने आईपीएल में अब तक तीन सीजन (2021-23) में 19 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8.43 की इकॉनमी से 20 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत राजस्थान रॉयल्स के साथ की थी और 2022 में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बने थे। टी20 क्रिकेट में उनके नाम कुल 46 मैचों में 7.69 की बेहतरीन इकॉनमी से 65 विकेट दर्ज हैं।

सीएसके टीम के नेट गेंदबाज बने बिहार के मलय राज

मुम्बई। अब बिहार के भागलपुर का एक युवा क्रिकेटर आईपीएल में गेंदबाजी करता दिखेगा। मलय राज नाम के इस तेज गेंदबाज को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपना नेट गेंदबाज बनाया है। ऐसे में अब मलय महेंद्र सिंह धोनी सहित सीएसके के सभी शीर्ष बल्लेबाजों को नेट अभ्यास में गेंदबाजी करते दिखेंगे। मलय का चयन अच्छी गेंदबाजी के कारण हुआ है। आईपीएल 2025 के प्री-सीजन कैंप के लिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र भी दे दिया है।मलय के साथ बिहार के ही जिशान और नजीर भी सीसएके के नेट गेंदबाजों के रूप में शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के यात्रा और अन्य खर्च का वहन सीएसके उठाएगा। मलय ने मुश्ताक अली ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में बिहार की ओर से खेला है। मलय पटना जिले की ओर से क्रिकेट खेलते हैं। मलय की इस शानदार उपलब्धि से उनके परिजन उत्साहित हैं।

युवाओं के लिए आगे बढ़ने का बड़ा अवसर है खेलो इंडिया पैरा गेम्स : नवदीप सिंह

नई दिल्ली

पैरालिंपिक खेल 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप सिंह का मानना है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स पैरा एथलीटों के निरंतर विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, और यह देश में पैरा खेलों को बढ़ावा देने में सरकार की गहरी दिलचस्पी को दर्शाता है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी 2025) का दूसरा संस्करण गुरुवार (20 मार्च) से शुरू होने वाला है। अर्जुन पुरस्कार विजेता एथलीट ने बताया कि कैसे यह टूर्नामेंट पैरा एथलीटों के लिए खेल इकोसिस्टम विकसित करने में मदद कर रहा है। नवदीप ने साई मीडिया से कहा, केआईपीजी 2025 वरिष्ठ एथलीटों के लिए एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का एक बेहतरीन मंच है। हम हर समय एक-दूसरे को प्रेरित भी करते हैं। यह हमें अपने प्रशिक्षण मॉड्यूल का परीक्षण करने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले अपनी ताकत और कमजोरियों का अभ्यास करने में मदद करता है। हमें नवोदित एथलीटों से मिलने और प्रतियोगिताओं पर अलग-अलग विचारों और विचारों का आदान-प्रदान करने का भी मौका मिलता है।

उल्लेखनीय है की नई दिल्ली में तीन स्थानों – जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम और डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज – में सात दिवसीय टूर्नामेंट में

1200 से अधिक एथलीट भाग लेंगे।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स का उद्घाटन संस्करण दिसंबर 2023 में हुआ और सफल साबित हुआ। केआईपीजी के पहले संस्करण में भाग लेने वाले कम से कम 25 एथलीट पेरिस में 2024 पैरालिंपिक के लिए भारत के 84 सदस्यीय दल में शामिल थे।

नवदीप सिंह ने केआईपीजी 2023 में भी भाग लिया था और रजत पदक जीता था। पेरिस में, उन्होंने एफ़41 श्रेणी में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता। पैरा भाला फेंक खिलाड़ी ने बताया कि कैसे घरेलू स्तर के टूर्नामेंट देश में प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करते हैं और कई खेलों में भारत के लिए पैरा एथलीटों की एक पाइपलाइन बनाते हैं।

24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पेरिस पैरालिंपिक में भारत के प्रदर्शन के बाद पैरा खेलों में रुचि बढ़ रही है, जिसमें कई युवा खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। मुझे विश्वास है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में भी कई नए एथलीट भाग लेंगे। मुझे उम्मीद है कि देश को नई प्रतिभाएं देखने को मिलेंगी, जिससे भविष्य की संभावनाओं को पहचानने में मदद मिलेगी।

नवदीप ने आगे कहा, घरेलू टूर्नामेंट पैरा एथलेटिक्स के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में संपन्न विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 में कई नए एथलीटों को भी शामिल किया गया और उन्हें अवसर मिले। केआईपीजी 2025 देश में प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा।

केआईपीजी 2025 में छह खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों की एक बेहतरीन लाइन-अप दिखाई देगी। इस सूची में पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता हरविंदर सिंह (तीरंदाजी), धरमबीर (क्लब थ्रोअर) और प्रवीण कुमार (ऊंची कूद) शामिल हैं। चीन के हांग्जो में 2022 एशियाई पैरा खेलों के पदक विजेता भी प्रतिस्पर्धा करेंगे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले 50 से अधिक पैरा-एथलीट 2028 एलए ओलंपिक चक्र के लिए साई की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) कोर ग्रुप का भी हिस्सा हैं।

इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड से लिया बदला, मेसी के गोल से 2-1 की हासिल की जीत

नई दिल्ली

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत इंटर मियामी ने रविवार को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस की तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 2-1 से हराकर पिछले सत्र के प्लेऑफ़ में मिली हार का बदला ले लिया।

वेटरन हैती इंटरनेशनल फाफा पिको ने 89वें मिनट में हेडर के जरिए निर्णायक गोल दागा, जिससे मियामी ने इस सत्र में अपनी अजेय लय को बरकरार रखा।

अटलांटा ने की थी तेज़ शुरुआत

अटलांटा ने मैच की शुरुआत में ही इंटर मियामी पर दबाव बना दिया और 11वें मिनट में आइवरी कोस्ट के इमैनुएल लाटे लाथ ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल मिगुएल अल्मिरोन के एक शानदार पास से बना, जिसे ब्रूक्स लेनन ने क्रॉस में तब्दील किया और लाथ ने हेडर के जरिए गेंद को नेट में डाल दिया।

मेसी ने बराबरी का गोल किया

हालांकि, मियामी को बराबरी करने में ज्यादा समय नहीं लगा। 20वें मिनट में अटलांटा के पोलिश मिडफील्डर बार्टोज़ सिल्स्ज़ की

गलती का फायदा उठाते हुए मेसी ने गेंद छीन ली। उन्होंने डिफेंडर डेरिक विलियम्स को छकाते हुए शानदार फिनिशिंग के साथ गेंद को गोलकीपर ब्रैड गुज़ान के ऊपर से नेट में डाल दिया।

पिको के हेडर से मियामी की जीत

दूसरे हाफ में मियामी ने कई मौके बनाए, लेकिन अटलांटा के अनुभवी गोलकीपर ब्रैड गुज़ान ने शानदार बचाव किया। 65वें मिनट में उन्होंने मेसी के एक शानदार शॉट को रोका। हालांकि, 89वें मिनट में मियामी को विजयी गोल मिल ही गया। पूर्व बार्सिलोना स्टार जोर्डी आल्बा ने दाईं ओर से एक सटीक क्रॉस दिया, जिसे फाफा पिको ने हेडर के जरिए नेट में डालकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

अन्य एमएलएस मैचों के नतीजे

एमएलएस के अन्य मैचों में नैशविल एससी ने फिलाडेल्फिया यूनियन को 3-1 से हराया, जिससे ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस की अंक तालिका में फिलाडेल्फिया दूसरे स्थान पर खिसक गया।

वहीं, वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस में मौजूदा चैंपियन लॉस एंजेल्स गैलेक्सी ने पोर्टलैंड के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर इस सत्र का पहला अंक हासिल किया।

सर्जियो गार्सिया गोल्फ खिताब जीतने के बाद टीम के साथियों के साथ जश्न मनाते हुए

सिंगापुर में स्पेन के सर्जियो गार्सिया गोल्फ खिताब जीतने के बाद टीम के साथियों के साथ जश्न मनाते हुए।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 36 सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप की घोषणा की

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार समारोह के बाद आज बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में वापसी की। हॉकी इंडिया ने इस कैंप के लिए 36 खिलाड़ियों को बुलाया है, जो 28 मार्च तक चलेगा।

भारतीय टीम ने हाल ही में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (पुरुष) 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उसने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए आठ मैचों में से पांच में जीत दर्ज की। भारत फिलहाल 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम क्रमशः 16 अंकों के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

कैंप को लेकर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, खिलाड़ियों के लिए यह काफी व्यस्त सत्र रहा है, जिसमें लगातार प्रतियोगिताएं और उच्च स्तरीय मैच शामिल रहे। इस कैंप में हमारा फोकस फिटनेस और कंडीशनिंग पर रहेगा, साथ ही हालिया प्रदर्शन का विश्लेषण भी किया जाएगा। हमारा ध्यान प्रो लीग के अगले चरण के लिए टीम को तैयार करने पर रहेगा और मैं देखना चाहूंगा कि कुछ युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को कैसे साबित करते हैं।

संभावित कोर ग्रुपः

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनहल्लि शशिकुमार।

डिफेंडर्सः जर्मनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, अमनदीप लकड़ा, नीलम संजीप, वरुण कुमार, यशदीप सिवाच।

मिडफील्डर्सः राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, मोहम्मद रहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, पूवन्ना सीबी।

फॉरवर्ड्सः अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको, सेल्वम कार्ति, शिलानंद लकड़ा, दिलप्रीत सिंह, उत्तम सिंह।

न्यूकैसल यूनाइटेड ने 70 साल बाद जीता घरेलू खिताब, लिवरपूल को 2-1 से हराकर जीता लीग कप

लंदन

न्यूकैसल यूनाइटेड ने 70 वर्षों का घरेलू ट्रॉफी सूखा समाप्त करते हुए रविवार को वेम्बली स्टेडियम में लीग कप (जिसे काराबाओ कप भी कहा जाता है) के फाइनल में मौजूदा चैंपियन लिवरपूल को 2-1 से हरा दिया। डैन बर्न और अलेक्जेंडर इसाक के गोलों ने न्यूकैसल को ऐतिहासिक जीत दिलाई और जिओर्डी प्रशंसकों के लिए जश्न का माहौल बना दिया।

यह न्यूकैसल के लोकल हीरो डैन बर्न के लिए भी खास दिन रहा, जिन्होंने 45वें मिनट में दमदार हेडर के जरिए अपनी टीम को बढ़त दिलाई। न्यूकैसल के प्रशंसकों के जबरदस्त समर्थन के बीच टीम ने सात मिनट बाद ही दूसरा गोल दाग दिया, जब स्वीडिश स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक ने लिवरपूल के गोलकीपर काओइम्हिन केलहर को छकाते हुए गोल दागा।

हालांकि, प्रीमियर लीग के टॉप पर चल रही लिवरपूल ने स्टॉपेज टाइम में इटली के फेडेरिको

चिएसा के गोल से वापसी की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और जीत न्यूकैसल के नाम रही।

न्यूकैसल ने लिखी नई इतिहास गाथा

दो साल पहले न्यूकैसल को लीग कप फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी किस्मत बदल दी। न्यूकैसल के कप्तान ब्रूनो गिमारेस ने ट्रॉफी उठाने से पहले कहा, यह जीत हमारे प्रशंसकों के लिए है। जब मैं यहां आया था, तो मैंने कहा था कि मैं इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना चाहता हूं, और अब हम कह सकते हैं कि हम चैंपियन हैं। दूसरी ओर, लिवरपूल की टीम इस मैच में फीकी नजर आई और पेरिस सेंट-जर्मेन से चैंपियंस लीग में पेनल्टी शूटआउट में हारने के बाद पूरी तरह थकी हुई दिखी। लिवरपूल के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह पहली बार 90 मिनट तक खेलने के बावजूद न तो कोई शॉट ले सके और न ही कोई मौका बना सके। लिवरपूल के मैनेजर अर्ने स्लॉट के लिए यह पहला वेम्बली फाइनल था, जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। उन्होंने स्वीकार किया, यह निराशाजनक प्रदर्शन था। न्यूकैसल ने वही किया जो वह चाहता था और उसने जीत डिजर्व की।

न्यूकैसल ने शुरू से ही दिखाया दबदबा

मैच की शुरुआत में न्यूकैसल अधिक आक्रामक नजर आया और सैंड्रो टोनाली ने पोस्ट के पास से एक तेज शॉट लगाया। लिवरपूल की टीम पहले हाफ को 0-0 से खत्म करने की कोशिश में थी, लेकिन 45वें मिनट में डैन बर्न ने कीरन ट्रिपियर के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर न्यूकैसल के प्रशंसकों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही न्यूकैसल ने फिर से दबाव बनाया और 52वें मिनट में जैकब मर्फी के हेडर को इसाक ने गोल में तब्दील कर दिया।

क्या होती है एण्टी एजिंग?

इन्ट्रिंसिक एजिंग जैसा कि नाम से जाहिर है यह अंदरूनी कुदरती एजिंग प्रक्रिया से संबंधित है, जो अनिवार्य है और लगातार होती है। यह हमारे 20 के दशक के मध्य से ही शुरू हो जाती है जब हमारे शरीर की कुदरती पुनर्निर्माण (रिजेनेरेटिव) प्रक्रिया धीमी पड़ने लगती है। त्वचा की पुरानी एपिडर्मल सेल्स नई सेल्स द्वारा बदलने की गति धीमी हो जाती है कोलेजेन और इलास्टिन की कमी होने से त्वचा में शिथिलता शुरू हो जाती है। कोलेजेन और इलास्टिन, प्रोटीनों के प्रकार हैं जो शरीर की त्वचा और टिश्यूज में पाए जाते हैं। ये त्वचा को मजबूत बनाए रखने में और लचीलेपन में क्रमशः सहायक होते हैं। ये बदलाव वर्षों तक नजर ही नहीं आते क्योंकि ये बहुत धीमी गति से होते हैं। इन्ट्रिंसिक एजिंग पर जेनेटिक्स और अंदरूनी कारणों जैसे हार्मोन स्तरों का असर पड़ता है।

क्या है एजिंग और इसका उपचार

एक्सट्रिंसिक एजिंग या बाहरी कारणों से होने वाली एजिंग, एजिंग की नार्मल प्रक्रिया से जुड़कर हमारी त्वचा पर समय से पहले उम्र का असर दिखाने लगती है। प्री-मेच्योर एजिंग के सबसे कॉमन बाहरी कारणों में शामिल हैं- सन एक्सपोजर (फोटो-एजिंग) और स्मोकिंग। अन्य बाहरी कारणों में हैं बार-बार दोहराए जाने वाले फेशियल एक्सप्रेशंस, स्लीपिंग पोजिशंस और ग्रेविटी।

जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, 50 की उम्र के बाद त्वचा में पतलापन आने लगता है और आंखों के आसपास और माथे पर फाइन लाइन्स (फाइन लाइन्स) बनने लगती हैं जो बार-बार दोहराए जाने वाले फेशियल मूवमेंट्स के कारण बनती हैं। त्वचा और मसल्स के बीच फैटी टिश्यूज कम होते जाते हैं (सबक्यूटानियस सपोर्ट) जो उभरे गालों और आंखों के सॉकेट्स के रूप में मौजूद होते हैं और गर्दन तथा हाथों में भी कसावट कम हो जाती है। घटती रक्त वाहिनियों के कारण त्वचा अपनी आभा खो बैठती है। इन बदलावों के अलावा ग्रेविटी अपनी भूमिका निभाती है और त्वचा शिथिल होती जाती है। यह पतली हो जाने वाली त्वचा नाजुक और असुरक्षित हो जाती है और नार्मल हीलिंग में काफी वक्त लगने लगता है। रिंकल्स, फाइन लाइन्स आदि सभी क्षतिग्रस्त त्वचा की ही विशेषताएं हैं। एजिंग के साथ सीबम तैयार करने वाली ग्रंथियां कम काम करती हैं जिससे त्वचा ड्राइ, संवेदनशील और आसानी से डैमेज हो सकने वाली हो जाती है। आपकी त्वचा पर मोल्स(तिल) को किसी दिखावटी बदलाव जैसे कि आकार-प्रकार में बदलाव, ब्लीडिंग और खराश आदि के लिए जांचना चाहिए। किसी बदलाव पर डॉक्टर से सलाह ले ये त्वचा कैंसर का शुरूआती लक्षण हो सकता है।

ब्यूटी उत्पादों से हो सकता है इन्फेक्शन

खूबसूरत दिखना हर किसी की चाहत होती है। खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाने में वैसे तो कोई बुराई नहीं, लेकिन कई बार लोगों की रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत होती है जिससे आपकी त्वचा में इंफेक्शन का खतरा हो सकता है। ब्यूटी उत्पाद में कई सारे केमिकल होते हैं जिनका ज्यादा या हर रोज प्रयोग करना आपकी कोमल त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादातर लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होती है कि ब्यूटी उत्पाद जिनका आप हर रोज प्रयोग कर रहे वो आपको खूबसूरत बनाने की बजाय आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा रहा है।

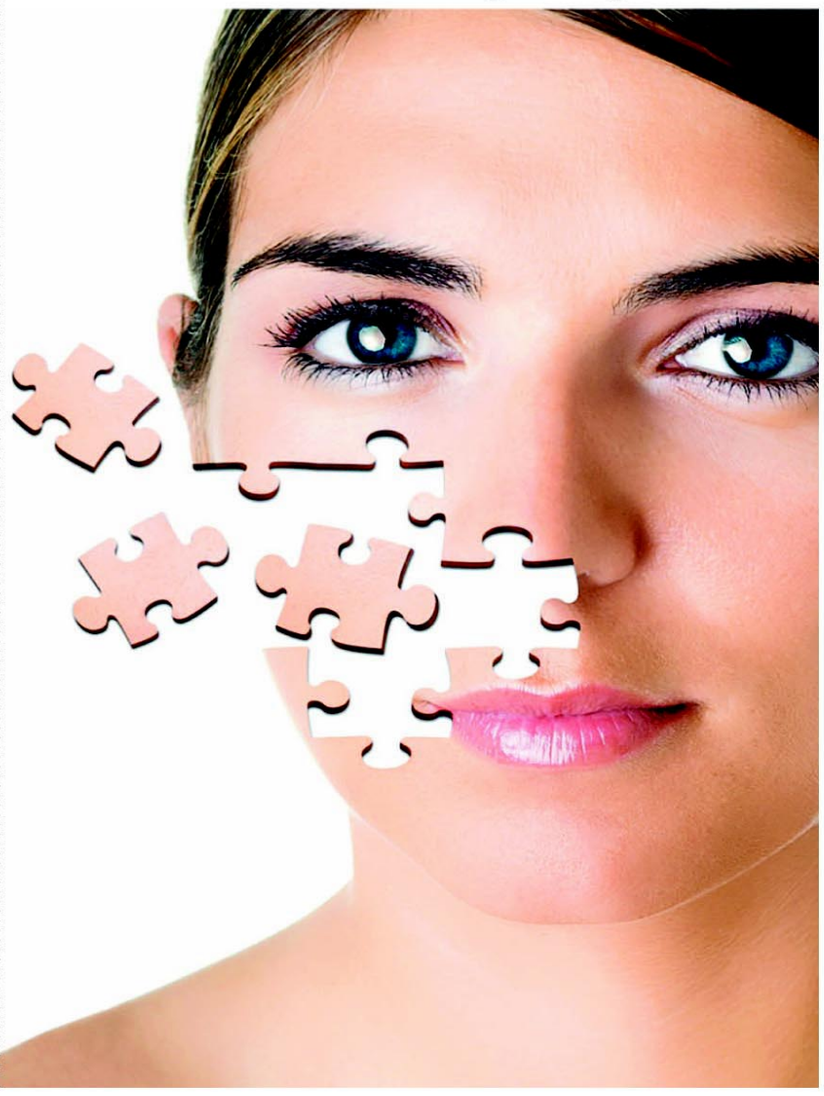

ब्लीच

लोग स्किन की टैनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच की मदद लेते हैं। कई बार लोग इसे कम दिनों के अंतर पर प्रयोग करने लगते हैं जबकि ऐसा करना आपकी त्वचा को ना सिर्फ बेजान बनाता है बल्कि इससे कई बार स्किन एलर्जी की समस्या भी हो जाती है।

उपायः ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडर आर्म्स की त्वचा को काला कर उसे नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें क्योंकि उन लोगों के लिए यह काफी खतरनाक हो सकता है।

उपायः डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है। इसके अलावा नाखूनों पर हमेशा नेलपॉलिश लगाने से नाखूनों में पीलापन भी आ जाता है जो संक्रमण का कारण हो सकता है।

उपायः नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपायः ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वॉलिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें। चेहरा नॉन-कॉमेडोजॉनिक क्लींजर से साफ करें, इससे रोमछिद्र खुलने से गंदगी निकल जाती है।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कॉर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है, जिससे कंजक्टिवाइटिस हो जाता है। इसमें आंखें लाल हो जाती हैं और आंखो से पानी आने लगता है।

उपायः मस्कारे व आई लाइनर का प्रयोग कम करें। मस्कारे को कम से कम 4 महीने के अंतराल और आईशैडो को दो साल में बदल लें। तो अब जब भी आप आगे से मेकअप के सामान का प्रयोग करें तो अपनी त्वचा का भी खास ख्याल रखना चाहिए क्योंकि आपकी त्वचा है खास।

बच्चों के साथ हो दोस्ती

सोशल नेटवर्किंग साइट पर भी अपने बच्चों से हमेशा जुड़े रहिए, इससे आप उनकी हर वक्त की गतिविधि के बारे में जानकारी ले सकेंगे। इसके लिए अपने बच्चे के साथ दोस्ती कीजिए, उनकी फ्रेंडलिस्ट में खुद को शामिल कीजिए, और उनके हर वक्त के अपडेट से अवगत होते रहिए।

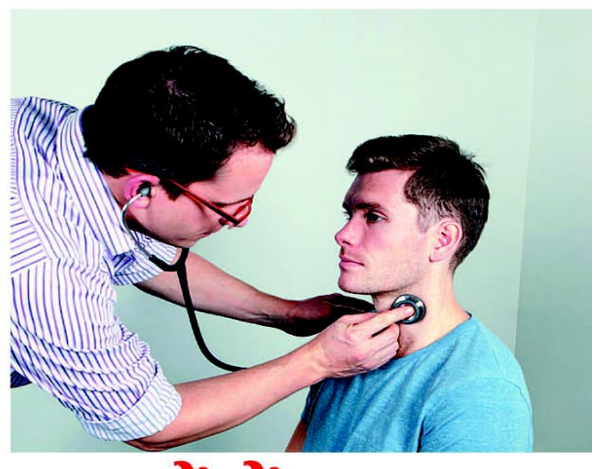

पुरुषों में थायराइड होने के लक्षण

थायराइड बहुत ही आवश्यक ग्रंथि है। यह ग्रंथि गले के अगले-निचले हिस्से में होती है। यह ग्रंथि होती तो बहुत छोटी है लेकिन, हमारे शरीर को स्वस्थ्य रखने में इसका बहुत योगदान होता है। थायराइड जो आपके शरीर में हार्मोन के असंतुलन का परिणाम है। वैसे, महिलाओं में थायराइड की समस्या काफी तेजी से उभरती है और पुरुषों की तुलना में उनमें यह समस्या ज्यादा होती है, पर पुरुष भी इससे अनछुए नही हैं। थायराइड को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। क्योंकि इसके लक्षण एक साथ नही दिखते है। पुरूषों में थायराइड के लक्षण समस्या के प्रकार पर निर्भर करता है, यह किसी भी अंतर्निहित कारण, जीवन शैली में परिवर्तन और दवाओं के साथ चल रहे इलाज के कारण हो सकता है। पुरुषों में थायराइड की समस्या के लक्षण यौन रोग और अन्य शारीरिक परिवर्तन भी हो सकते हैं।

थकान और सुस्ती

थका हुआ और सुस्त महसूस करना थायराइड का एक लक्षण है। हृदय और नाड़ी में धीमी दर भी पुरुषों में थायराइड का संकेत है। पर, यह अस्पष्ट और सामान्य लक्षण है, जो कई स्थितियों में हो सकते हैं इसलिए थायराइड की समस्या के बारे में पता नही चल पाता।

स्मृति हानि और डिप्रेशन

स्मरण शक्ति कमजोर होना, भ्रम और डिप्रेशन भी थायराइड से संबंधित लक्षण हैं, जो शारीरिक प्रक्रियाओं की मंदी के कारण होते हैं। ये लक्षण अधिक उम्र के पुरुषों में आम होते हैं। चिड़चिड़ापन भी धीमी गति से बढ़ रहे थायराइड का लक्षण है।

मांसपेशियों में दर्द

जिन पुरूषों को थायराइड है वह मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन विशेष रूप से कमर या कंधे में अनुभव कर सकते है। उन्हें अपने पैर के निचले भाग की मांसपेशियां कमजोर और घुटनों और हाथ या पैर के छोटे जोड़ों में सूजन का अनुभव हो सकता है। या आप यह कह सकते हैं कि कुल मिलाकर, उनके जोड़ कठोर हो सकते है।

इससे भी थायराइड का पता नही चलता क्योंकि ऐसे लक्षण कई स्थितियों में उत्पन्न हो सकते है।

वजन

अगर आपके आहार या व्यायाम में कोई बदलाव नहीं है और फिर भी आप वजन कम करने में असमर्थ है तो यह थायराइड का स्पष्ट संकेत है। पर कई लोगों को लगता है कि वह सिर्फ उम्र बढ़ने या कम शारीरिक गतिविधि की वजह से वजन प्राप्त कर रहे हैं।

त्वचा में परिवर्तन

जिन पुरूषों को थायराइड है उनके बाल मोटे और शुष्क हो जाते है, उनकी त्वचा भी रूखी-सूखी हो जाती है और साथ ही साथ यह भी हो सकता है कि उनकी त्वचा पीली हो जाए।

फायर इंजीनियरिंग में बेहतर कॅरियर

आग लगने पर उसे बुझाने के लिए ऐसा आदमी या ऐसी टीम चाहिए जो आग की किस्म, आग लगने के कारण, आग बुझाने के तरीके, आग बुझाने के सामान और आग में घिरे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का हुनर रखती हो। जाहिर है यह ऐसी जानकारी नहीं जिसे यूं ही पूछ कर या पढ़ कर जान लिया जाए। इसकी पढ़ाई भी होती है और इसका प्रशिक्षण भी दिया जाता है। एक गुण ऐसा है जिसके बिना यह पढ़ाई और प्रशिक्षण काम नहीं आ पाएगा- वह है साहस और सूझबूझ का सही मिश्रण। इस क्षेत्र में फायरमैन से लेकर चीफ फायर अफसर तक बन सकते हैं। जो लोग आग से उपजी चुनौतियों का सामना करते हुए कॅरियर की बुलंदी तक पहुंचना चाहते हैं वे इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि किस तरह आग से जूझकर आप अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कार्य का स्वरूप...

फायर डिपार्टमेंट से जुड़ना एक कामयाब कॅरियर के साथ-साथ जनसेवा भी है। फायर फाइटर्स का मुख्य काम आग लगने के कारणों का पता लगाना और उसे रोकने के उपायों का विश्लेषण करना होता है। फायर फाइटिंग सिविल, इलेक्ट्रिकल, एनवायरनमेंटल इंजीनिरिंग से जुड़ा क्षेत्र है। मसलन आग बुझाने के यंत्रों की तकनीकी जानकारी, स्प्रिंक्लर सिस्टम, अलार्म, पानी की बौछार का सबसे सटीक इस्तेमाल, कम से कम समय और कम से कम संसाधनों में ज्यादा से ज्यादा जान-माल की रक्षा करना उसका उद्देश्य होता है।

प्रमुख संस्थान...

- *इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर, पं. बंगाल*
- *राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, पालम रोड, नागपुर, महाराष्ट्र*
- *दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग, नई दिल्ली*

अवसर...

इस फील्ड में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। पहले केवल महानगरों में फायर स्टेशन होते थे, आज हर जिले में फायर स्टेशन हैं। इसके अलावा आज हर सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालयों में एक फायर इंजीनियर की नियुक्ति भी अनिवार्य कर दी गई है। फायर इंजीनियर की जरूरत अग्निशमन विभाग के अलावा आर्किटेक्चर और बिल्डिंग निर्माण, इंश्योरेंस एसेसमेंट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, रिफाइनरी, गैस फैक्ट्री, निर्माण उद्योग, प्लास्टिक, एलपीजी तथा कैमिकल प्लांट, बहुमंजिली इमारतों व एयरपोर्ट हर जगह इनकी खासी मांग है।

कोर्सः डिप्लोमा इन फायर एंड सेफ्टी, पीजी डिप्लोमा इन फायर एंड सेफ्टी, बीएससी इन फायर इंजीनियरिंग, सिर्टिफकेट कोर्स इन फायर फाइटिंग, फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रीयल सेफ्टी मैनेजमेंट, इंडस्ट्रियल सेफ्टी सुपरवाइजर, रेस्क्यू एंड फायर फाइटिंग जैसे कोर्स शामिल हैं।

रेसिपी

मंगौड़ी की दाल

सामग्री

1 कप क्रश की हुई मूंग दाल की मगौड़ी, 1 टेबल-स्पून घी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हींग, 1 कप कटे हुए टमाटर, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून धनिया पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून नींबू का रस, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक प्रैशर कुकर में घी गरम करें और जीरा और हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, क्रश की हुई मंगौड़ी डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट के लिए भुन लें। टमाटर, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, नमक और 21/2 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। 11/2 कप पानी और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मसाला टिण्डा

सामग्री

2 कप स्लाईस्ड टिण्डे, बिना छिले हुए
1 टेबल-स्पून तेल
1/2 टी-स्पून जीरा
2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
2 टी-स्पून धनिया पाउडर
2 टी-स्पून अमचूर
नमक स्वादअनुसार

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, टिण्डा, हल्दी पाउडर और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढ़क्कन से ढ़ककर धीमी आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 10 मिनट तक पका लें। लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, अमचूर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। तुरंत परोसें।

HEALTH

डिप्रेशन एक सामान्य मानसिक अनियमितता है, जिसमें व्यक्ति में उदासीनता, हीन विचार, रुचि व खुशी में कमी, नींद में गड़बड़ी, भूख की कमी, थकावट और एकाग्रचित्तता की कमी देखने को मिलती है। विश्व स्तर पर सभी आयु वर्ग के करीब 35 करोड़ लोग डिप्रेशन से पीड़ित हैं। साल 2020 तक यह बीमारी मधुमेह व हृदय अनियमितताओं को चुनौती देती दिखाई दे सकती है.....

35 करोड़ लोग डिप्रेशन से पीड़ित

पुरुषों से ज्यादा महिलाएं हो रही परेशान

डिप्रेशन के लक्षण कम उम्र से ही दिखने लगते हैं। यदि परिवार में माता-पिता या अन्य कोई परिवार का सदस्य डिप्रेशन से पीड़ित है तो बच्चे में भी डिप्रेशन होने की आशंका बढ़ जाती है। यदि कोई एक अभिभावक डिप्रेशन से पीड़ित है तो बच्चे में डिप्रेशन होने की आशंका तीन गुणा बढ़ जाती है। यदि अभिभावक में मानसिक रोग के लक्षण 20 वर्ष की उम्र से पहले विकसित हुए हैं तो बच्चे में इसके होने की आशंका 4 से 5 गुणा अधिक होती है। किशोर अवस्था में महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होते हैं।

धूप सेंकने से फायदा

सूरज की रोशनी में कुछ समय बिताएं। इससे शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी मिलेगा। सूरज की रोशनी से मूड में ताजगी आती है, जिससे सेरोटोनिन हार्मोन का स्राव होता है, जो कि ठंड, अंधेरे और निराशा के समय बढ़ जाता है।

नियमित व्यायाम करें

नियमित व्यायाम डिप्रेशन से उबरने में मदद करता है, यहां तक कि इसे पूरी तरह दूर भी रख सकता है। व्यायाम करने से शरीर में सेरोटोनिन पैदा होता है, एक ऐसा रसायन, जो डिप्रेशन के रोगियों में धीमी गति से बनता है। कौन-कौन से व्यायाम करें और कितनी देर तक करें, इसका ध्यान रखना जरूरी है। व्यायाम पसंद है तो आप जिम, योग और दौड़ना या पैदल चलना कोई भी विकल्प अपना सकते हैं। एरोबिक और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग दोनों करें। एरोबिक से एंड्रोफिन का स्राव होने से ऊर्जा बढ़ेगी, वहीं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से शरीर मजबूत होगा।

उचित हो खान-पान

अच्छा भोजन मस्तिष्क की प्रक्रिया में सहायक न्यूरोट्रांसमीटर्स में सुधार करता है, जिससे मूड और सोच दोनों में बदलाव आता है। मेवे, बीज व मछली से मिलने वाली उच्च वसा को डाइट में शामिल करें। हल्के-फुल्के नाश्ते में भुने हुए साबुत अनाज, सूप, सलाद, दही, मेवा और फल-सब्जियां खाएं। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। शरीर को हाइड्रेटेड रखें। जैसमिन (चमेली) व कैममाइल (बबूने के फूल) की ग्रीन टी का सेवन करें। सरसों का तेल, अलसी के बीज, गेहूं, राजमा, मेथी, सोयाबीन और हरी पत्तेदार सब्जियां भी फायदेमंद रहती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**